ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष -9, 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-07, अंक - 346 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 जून 2024 शनिवार

आज का मौसम

44 अधिकतम
31 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page- 7

57 सीटों पर आखिरी मतदान शाम को नतीजों का पूर्वानुमान

लोकसभा चुनाव का आठ राज्यों में जारी है सातवां चरण...

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश में लोकसभा चुनाव में आज आखिरी चरण की 57 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। इस दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाराणसी सीट भी शामिल है। दोपहर डेढ बजे तक करीब चालीस फीसदी मतदान की खबरें हैं। इस दौर में भी बंगाल में जबर्दस्त वोटिंग हो रही है जबकि हिमाचल में भी मतदान की गति तेज है। आज जिन सीटों पर आज वोटिंग हो रही है, उसमें पंजाब और यूपी की 13-13 सीटें, पश्चिम बंगाल की 9 सीटें, बिहार की 8 सीटें, ओडिशा की 6 सीटें, हिमाचल प्रदेश की 4 सीटें, झारखंड की 3 सीट और एक चंडीगढ़ सीट शामिल है। खास बात यह है कि इस चरण में कई बड़े दिग्गजों की किस्मत दांव पर है। इनमें केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर हमीरपुर से, ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी डायमंड हार्बर से, लालू प्रसाद की बेटी मीसा भारती पाटलिपुत्र और एक्ट्रेस कंगना रनौत मंडी सीट से मैदान में हैं। भाजपा ने इस दौर में भी बढत का दावा किया है। वहीं राजद नेता मनोज झा ने कहा, लोग सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर अपनी पहचान के लिए मतदान कर रहे हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि आज शाम प्रायोजित एग्जिट पोल क्या कहते हैं, जब 4 जून को परिणाम आएंगे, तो इंडिया गठबंधन सरकार बनाने के लिए मजबूत स्थिति में होगा।

अब तक के छह चरण : मतदान कभी ज्यादा कभी कम

लोकसभा चुनाव 2024 के 7वें चरण में सुबह 11 बजे तक 26.30त्न प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ है था। इससे पहले छठे दौर के लिए मतदान 25 मई को था। चुनाव आयोग के मुताबिक, छठे दौर में 63.37 प्रतिशत मतदान हुआ। 2019 के चुनाव में इन 58 सीटों पर कुल 64.22 फीसदी वोटिंग हुई थी। सबसे ज्यादा 84.59 फीसदी मतदान पश्चिम बंगाल में हुआ था। वहीं, सबसे कम 8.98 फीसदी मतदान जम्मू-कश्मीर में दर्ज किया गया था। अब तक के चुनावों में मत प्रतिशत चर्चा का बड़ा विषय रहा है। शुरुआत में विपक्ष ने चुनाव आयोग पर देरी से वोटिंग के आंकड़े देने का आरोप लगाया जिसका आयोग ने खंडन किया। वहीं सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष ने पहले ही हार मान ली है।

अमृतसर में वोटर्स के लिए भोजन की व्यवस्था!

शाम को एग्जिट पोल पर नजरें

आज शाम को मतदान थमने के बाद टीवी चैनलों पर विभिन्न सर्वे एजेंसियों के एक्जिट पोल के परिणाम दिखाई देने लगेंगे। इन परिणामों पर राजनीतिक दलों और देशभर की निगाहें हैं।इसे लेकर उत्सुकता भी बहुत है। दूसरी तरफ कांग्रेस ने खुद को एक्जिट पोल की बहसों से दूर रखा है। उसका कई भी नेता या प्रवक्ता इन आकंलन पर डिबेट का हिस्सा नहीं होगा।

पीएम मोदी का ध्यान जारी

चुनाव प्रचार खत्म करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार शाम को कन्याकुमारी पहुंच गए थे। यहां प्रसिद्ध विवेकानंद रॉक मेमोरियल में उनकी 45 घंटे की ध्यान साधना जारी है। इस दौरान पीएम मोदी ने अपनी डाइट में नारियल पानी और अन्य तरल पदार्थों को ही शामिल किया है। हालांकि ध्यान साधना में लीन पीएम मोदी के फोटो-वीडियो सामने आने के बाद विपक्ष भड़क गया है।

आज पहली तारीख... फिर पांच बड़े बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी।

आज जून महीने की शुरूआत हुई है और हर महीने की पहली तारीख से होने वाले बदलाव आज भी लागू हो गये हैं। इनमें पांच बदलाव अहम हैं। यह सीधे जेब और रसोई के बजट पर असर डालने वाले हैं। इनमें एलपीजी सिलेंडर की कीमत से लेकर क्रेडिट कार्ड के नियम तक शामिल हैं।

पहला बदलावः घरेलू याथवत, कमर्शियल गैस सस्तीः ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आज 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 72 रुपये की कटौती की है। हालांकि, इस बार भी 14 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई चेंज नहीं है।

दूसरा बदलाव- ATF के नए रेटः हवाई ईंधन यानी एयर टर्बाइन फ्यूल के दाम में भी बदलाव हुआ है। हवाई यात्रा पर असर डालने वाले साबित हो सकते हैं। दिल्ली में एटीएफ के दाम 1,01,643.88 रुपये प्रति किलोलीटर से कम होकर 94,969.01 रुपये प्रति किलोलीटर कर दिए गए हैं।

तीसरा बदलाव- क्रेडिट कार्डः एसबीआई ने क्रेडिट कार्ड को लेकर नियमों में बदलाव लागू किया है। अब कुछ क्रेडिट कार्ड के लिए सरकार से संबंधित ट्रांजैक्शन पर रिवॉर्ड पॉइंट लागू नहीं होंगे।

चौथा बदलावः ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट : आज से प्राइवेट इंस्टीट्यूट में भी ड्राइविंग टेस्ट हो सकेंगे, अभी तक ये टेस्ट सिर्फ आरटीओ की तरफ से जारी सरकारी सेंटर में ही होते थे। अब प्राइवेट इंस्टिट्यूट में भी लाइसेंस के लिए आवेदन करने वाले लोगों का ड्राइविंग टेस्ट होगा और उन्हें लाइसेंस जारी कर दिया जाएगा. मगर 18 साल से कम उम्र का नाबालिग गाड़ी चलाता हुआ पाया जाता है, तो फिर उस पर 25000 रुपये का जुर्माना तो लगेगा ही।

पांचवां बदलावः आधार अपडेट फ्रीः आधार कार्ड फ्री में अपडेट करने की डेडलाइन को बढ़ाकर 14 जून कर दिया गया है इसके बाद 50 रुपये लगेंगे।

सीएम यादव आज धार्मिक स्थलों की व्यवस्था देखने में व्यस्त

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव आज दक्षिणी राज्यों के ख्यात धार्मिक स्थलों की यात्रा पर हैं। वे यहां की व्यवस्थाओं का मुआयना कर रहे हैं ताकि मप्र में भी धार्मिक व आध्यात्मिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिये जरूरी कदम उठाये जा सकें। उन्होंने तिरूपति में रात्रि विश्राम किया और सुबह बालाजी मंदिर का भ्रमण किया, यहां से वे कुड्डलोर,रामनाथपुरम व मदुराईज्ञ भी जाएंगे। यहां से वे अहमदाबाद पहुंचेंगे और रात्रि विश्राम करेंगे।

मानसून भी पस्त रतार पर ब्रेक, पारा भी बहक रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में इन दिनों भीषण गर्मी का कहर है। हालांकि मानसून के केरल पहुंचने के बाद गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन मौसम विभाग की हाल ही में इसको लेकर निराशाजनक खबर दी है कि मानसून की गति लड़खड़ा गई है और अब यह देरी से राज्यों में पहुंचेगा। बताया गया है कि मानसून केरल पहुंचने के बाद पूर्वोत्तर के राज्यों में आगे बढ़ा तो था, लेकिन अब इसने अपनी गति खो दी है।जिन राज्यों में सामान्य तौर पर केरल के बाद मानसून आ जाता है, उन्हें अब बारिश के लिए इंतजार करना होगा।

लू से मौत पर मुआवजाः उप्र में भीषण गर्मी व लू से करीब दो सौ मौत के बाद सरकार ने आपदा मोचक निधि से चार लाख की आर्थिक सहायता देने की बात कही है। हालांकि इसके लिए मृत व्यक्ति का पोस्टमार्टम कराना जरूरी होगा।

स्टेशन पर खड़ी मालगाडी में आग, ट्रैक पर थमी ट्रेनें

झालावाड। आज सुबह मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग पर झालावाड़ रोड स्टेशन पर खड़ी मालगाडी के डिब्बे में आग से भवानीमंडी-कोटा के बीच रेल यातायात ठप हो गया। इससे कई एक्सप्रेस और पैसेंजर गाडियां विभिन्न स्टेशन पर खड़ी की गई हैं। जानकारी के अनुसार कोटा तरफ यह मालगाड़ी जा रही थी। लिहाजा कोटा की ओर जा रही मुंबई-अमृतसर गोल्डन टेंपल मेल को भवानीमंडी, स्वराज एक्सप्रेस मोड़क, हरिद्वार -बांद्रा धुआंखेड़ी, कोटा-चौमेहला डेमू दर्रा, कोटा-नागदा ट्रेन अलनिया स्टेशन पर खड़ी की गई है।मेल, एक्सप्रेस व पैसेंजर ट्रेनों के घंटों लेट होने से यात्री परेशान हो रहे हैं।

अब सलमान की गाड़ी पर हमले का प्लान नाकाम

मुंबई। फिल्म अभिनेता सलमान खान पर एक बार हमला करने की कोशिश को मुंबई पुलिस ने नाकाम कर दिया है। नवी मुंबई पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया है जो पनवेल में अभिनेता सलमान खान की कार पर हमला करने की योजना बना रहे थे। इसके लिए पाकिस्तानी हथियार सप्लायर से हथियार मंगवाने की योजना थी। इस मामले में गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के मेंबर हैं। इन्होंने फार्म हाउस और कई शूटिंग स्थलों की रेकी की थी। इन्हें सलमान खान पर एके - 47 सहित कई अन्य हथियारों से फायरिंग करने का आदेश दिया गया था। पुलिस को ऐसे कई विडियोज आरोपियों के मोबाइल से बरामद हुए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धनंजय उर्फ अजय कश्यप, गौरव भाटिया उर्फ नहवी, वासपी खान उर्फ वसीम चिकना और रिजवान खान उर्फ जावेद खान के रूप में हुई है. पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई, अनमोल बिश्नोई, संपत नेहरा, गोल्डी बरार समेत 17 से अधिक लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है और आगे की जांच जारी है।

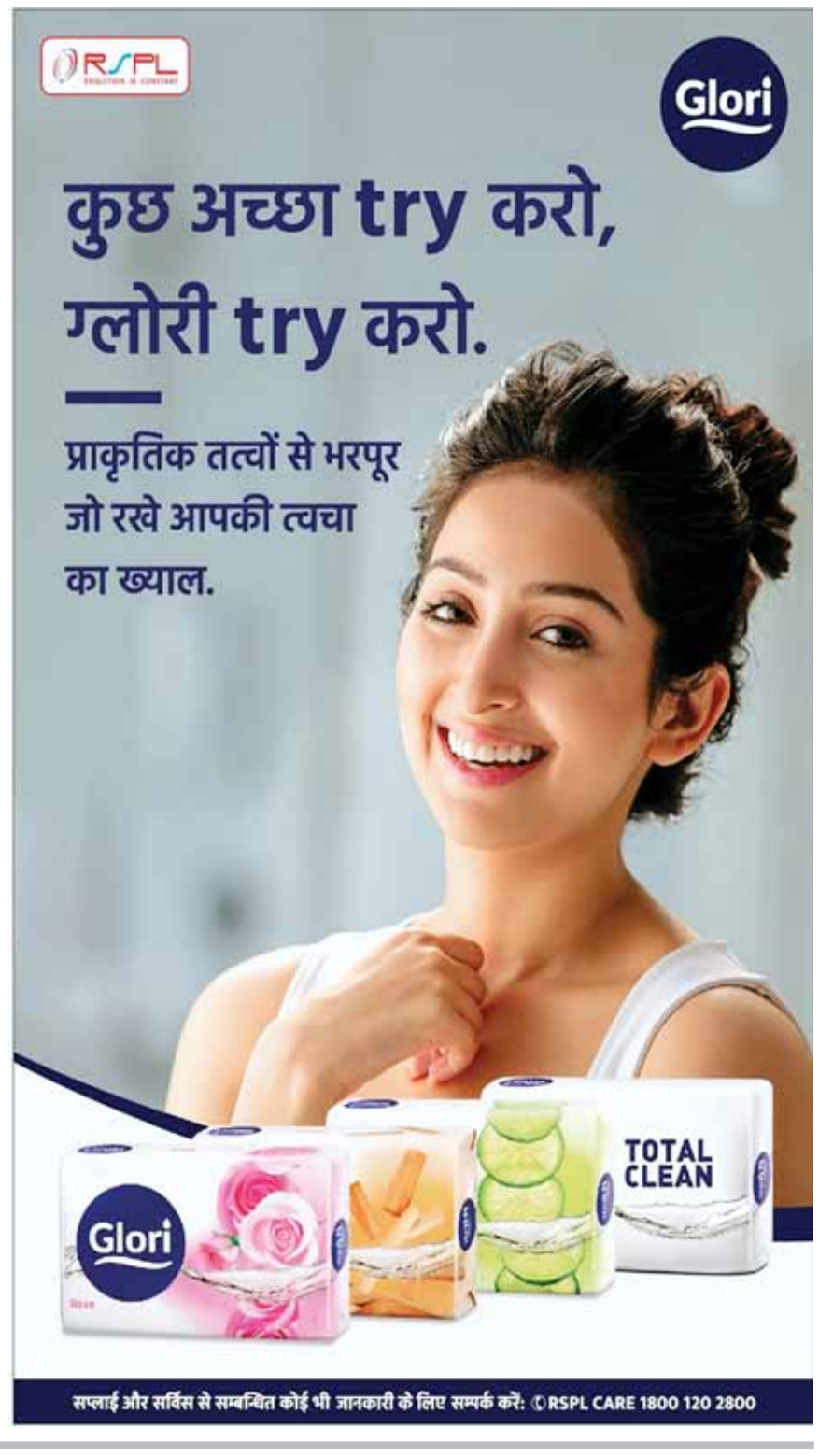

मेट्रो एंकर | **कांग्रेस का दावाः ध्रुवीकरण एजेंडे के बावजूद गारंटी में रुचि**

भाजपा की शैली में इस बार कांग्रेस ने कराया युंका टोली से प्रचार !

नई दिल्ली/भोपाल दोपहर मेट्रो।

इस बार चुनाव में कांग्रेस ने भी अपने प्रचार का ढंग बदला और शोरशराबे और बड़े समूहों की बजाय व्यक्तिगत प्रचार की नीति पर काम किया है। यह शैली काफी हद तक संघ-भाजपा की शैली से मिलती हुई है लेकिन कांग्रेस ने बहुत खामोशी से इसे अपने कुछ तरीकों से आजमाया है। अब छह चरण बाद कांग्रेस को लग रहा है कि आर्थिक रूप से मदद पहुंचाने वाली उसकी चुनावी गारंटियों से पिछले मतदान के चरणों में उसके उम्मीदवारों को फायदा हुआ है। खासतौर पर दिल्ली हरियाणा में जमकर गारंटियों का प्रचार किया गया है। दरअसल, रोजगार, महिलाओं को आर्थिक सहायता, कर्ज माफी जैसी गारंटी समझाने की जिम्मेदारी इस बार कांग्रेस नेतृत्व ने युकां को दी थी। यह ब्रिगेड सातवें चरण तक सक्रिय रही। सूत्र बताते हैं कि देशभर में चुनी हुई डेढ सौ सीटों पर 40 लाख से अधिक घरों तक युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी का गारंटी कार्ड लेकर गए। हर उम्र के मतदाताओं ने कांग्रेस की गारंटियों को समझने में दिलचस्पी दिखाई है और सवाल-जवाब भी किए।

स्थानीय बोली व यूट्यूबर का साथः बताया जाता है कि इस बार कांग्रेस ने प्रचार के लिए अपने साथ स्थानीय यूट्यूबर को भी जोड़ा और उनसे वहां की भाषा में कार्यक्रम बनवाए और मतदाताओं को भेजे हैं। युंका चीफ श्रीनिवास बीवी का दावा है कि भाजपा नेताओं के हिंदू-मुस्लिम एजेंडे के बावजूद बड़ी संख्या में मतदाताओं ने बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार और इलेक्टोरल बांड पर कांग्रेस से समाधान पूछा।

4 लाख लोगों की वेरी!

पिछले चुनावों से बिल्कुल अलग रूप में इस बार कांग्रेस के प्रचार में खास यह है कि जिस घर पर कार्यकर्ता ने जाकर कांग्रेस का गारंटी कार्ड समझाया है, उस घर की फोटो या फोन नम्बर लेने का भी प्रयास किया है।अब दावे पर भरोसा किया जाए तो उनके गारंटी कार्ड को लेकर साढ़े चार लाख मतदाताओं के कॉल भी आए। यह गारंटी कार्ड लेकर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, राजस्थान, मध्यप्रदेश और यूपी समेत कई राज्यों में गए थे। युवा कांग्रेस की टीम ने खासतौर पर हरियाणा में कैंप करके अग्निवीर संबंधी सवालों व समाधान पर चर्चा की।

भोपाल गौरव दिवस

आज भोपाल शहर का गौरव दिवस मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल गौरव दिवस के अवसर पर भोपालवासियों को शुभकामनाएं दी है। वर्ष 1949 में आज ही के दिन भोपाल का विलीनीकरण हुआ था। सीएम ने कहा कि अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अमर शहीदों को सादर नमन करता हूं, जिनके बलिदान से भोपाल को उज्ज्वल भविष्य प्राप्त हो सका। आइए, हम सभी संकल्प लें कि भोपाल की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं प्रगति के प्रयासों में सहभागिता करेंगे।

एम्स का शोध: अब मृत व्यक्ति के शुक्राणु से भी बना जा सकता मां

करीब 19 घंटे तक जीवित रह सकता है मृत व्यक्ति का शुक्राणु

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने शुक्राणु (स्पर्म) को लेकर नया शोध किया है। इस शोध में सामने आया है कि मृत व्यक्ति के शुक्राणु (स्पर्म) से भी कोई महिला मां भी बन सकती है। मृत व्यक्ति के शरीर से अगर शुक्राणु (स्पर्म) निकाल लिया जाए तो वह करीब 19 घंटे तक जीवित रह सकता है। इससे कोई महिला मां भी बन सकती है। एम्स की टीम द्वारा मृत व्यक्तियों पर इस प्रकार का शोध सभवतः देश में पहली बार किया गया है। यह शोध 2022 में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से वित्त पोषण के साथ शुरू किया गया था, जिसमें विशेष रूप से 47.22 प्रतिशत मामलों में जीवित शुक्राणु प्राप्त किए गए, जो आईवीएफ प्रक्रियाओं में उपयोग किए जा सकते हैं। इस नई पद्धति के पेटेंट के लिए आईसीएमआर को आवेदन भेजा जा चुका है और शीघ्र ही पेटेंट मिलने की संभावना भी है।

125 मृत व्यक्तियों पर शोध

एम्स भोपाल के फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. राघवेंद्र कुमार विदुआ व उनकी टीम ने पोस्टमार्टम शुक्राणु पुनर्प्राप्ति पर अध्ययन किया है। इसमें 125 मृत व्यक्तियों के शरीर से शुक्राणु निकाला गया और उन्हें स्टोर किया गया। इसमें 47.22 प्रतिशत लोगों के शुक्राणु जिंदा पाए गए। इस शोध को ग्रीस के एथेंस में आयोजित 26वें त्रिवार्षिक इंटरनेशनल एकेडमी आफ लीगल मेडिसिन सम्मेलन में शामिल किया गया।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के 8 मामलों में लिया संज्ञान

मृदा परीक्षण प्रयोगशाला बंद, किसान परेशान, आयुक्त से जवाब-तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल जिले के 8 मामलों में संज्ञान लिया है। पहला मामला बैरसिया ब्लॉक के वसई में बनी मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के बंद पड़े होने का है। प्रयोगशाला बंद होने के कारण किसान अपने खेत की मिट्टी का परीक्षण नहीं करवा पा रहे है। इस कारण किसान को मिट्टी में उलब्ध पोषक तत्वों की जानकारी नहीं मिल पा रही है। आयोग ने आयुक्त, सह प्रबंध संचालक, म.प्र. राज्य कृषि विपणन बोर्ड, भोपाल को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही प्रयोगशाला के प्रारम्भ न हो सकने तथा इसी प्रकार की अन्य कुल 313 ब्लॉकों में बनी प्रयोगशालायें भी प्रारम्भ न हो सकने तथा आवश्यक तकनीकी, गैर तकनीकी स्टाफ इनके लिए अब तक उपलब्ध कराये जाने से इन प्रयोगशालाओं के निर्माण के औचित्य तथ शासकीय धन के अपव्यव के संबंध में स्पष्ट विस्तृत जानकारी सहित प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

सीसी रोड़ पर अवैध कब्जा

भोपाल शहर के रोहित नगर के फोरलेन सीसी रोड़ पर अवैध कब्जा होने का मामला सामने आया है। बावड़िया कलां और रोहित नगर के बीच कुछ रेस्टोरेंट एवं रिजॉर्ट संचालकों ने इस सड़क पर अवैध कब्जा कर पार्किंग बना ली है। रोड पर हो रहे अवैध कब्जे और पार्किंग से वाहन चालकों को आवाजाही करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में आयोग ने नगर निगम आयुक्त जांच कराकर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

दूषित पानी, रहवासी परेशान

भोपाल शहर की बागसेवनिया की अमरावती साउथ कॉलोनी में बीते पांच सालों से दूषित पानी आ रहा है। आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

इन मामलों में भी जवाब तलब: आयोग ने भरत नगर स्थित सेक्टर 22 के ब्लॉक 1 के रहवासियों को जर्जर सीढ़ियों से आवाजाही करने पर मजबूर होने, तलैया चैकी से रेत घाट चैकी की तरफ जाने वाले मार्ग पर सीवेज का पानी जमा होने, परवलिया के ग्राम रतनपुर इलाके में कुएं में एक 17 साल की किशोरी का शव मिलने, गौतम नगर से गोविंदपुरा को जोड़ने वाली सड़क पर स्थित पुलिस के पास बने नाले के पास खतरे का निशान नहीं होने और स्ट्रीट लाइट नहीं लगने के मामले, कटारा हिल्स क्षेत्र में नगर निगम भोपाल द्वारा वॉटर सप्लाई में मृत पक्षियों के पंख निकलने के मामले में संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

बीयू: सैकड़ों विद्यार्थियों की परीक्षा निरस्त, मिला पुर्नपरीक्षा में शामिल होने एक और मौका

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में नकल करते पकड़ाए सैकड़ों विद्यार्थियों की परीक्षा निरस्त कर दी गई है। इसके साथ ही इन विद्यार्थियों को परीक्षा देने का एक और मौका दिया गया है। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में जून के महीने में पीजी कोर्स की परीक्षाएं आयोजित की जानी है। इस दौरान विश्वविद्यालय में अन्य विषयों की परीक्षा के दौरान नकल करने वाले करीब 100 की संख्या में विद्यार्थियों को पुनर्परीक्षा में शामिल होने का मौका दिया जा रहा है। आयोजित होने वाली परीक्षा में सख्त नियमों के साथ परीक्षार्थियों को मौका देने के निर्देश विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए हैं। पुनर्परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय की ओर से सख्ती बरतने के निर्देश भी दिए जा रहे हैं। इसके साथ

ही परीक्षार्थियों से यह अपील की जा रही है कि वह एकाग्रता के साथ पढ़ाई करते हुए दोबारा परीक्षा में शामिल हो और अपने परीक्षा परिणामों को बेहतर कर सकें। आयोजित होने वाली परीक्षा को लेकर परीक्षार्थियों से नकल से दूरी बनाए रखने की अपील की जा रही है। 6 जून से पीजी के चैथे सेमेस्टर की परीक्षाएं लेना शुरू कर दी है। उड़नदस्ता की सतत निगरानी में परीक्षा होगी।

3 उड़नदस्तों ने की थी कार्यवाही

विश्वविद्यालय में दिसंबर महीने में सेमेस्टर की परीक्षा के दौरान बनाए गए 3 उड़नदस्तों ने नकलचियों पर नकेल कसी थी। इस दौरान करीब 100 विद्यार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा गया था। जिनमें अधिकतर विद्यार्थियों की पूरी परीक्षा ही निरस्त कर दी गई।

फ्री हॉबी क्लासेस का समापन, अव्वल आए बच्चे पुरस्कृत

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

लाइफ लाइन पब्लिक स्कूल में चल रहे फ्री हाबी क्लासेस का समापन शुक्रवार को हुआ। बच्चों में छुपी हुई प्रतिभा को निखारने के लिए हर वर्ष लाइफ लाइन स्कूल में फ्री हॉबी क्लासेस का संचालन होता है।

इसमें बच्चे अपनी इच्छा अनुसार विधाओं को सीखते हैं और माह के अंत में सभी का टेस्ट भी लिया जाता है, जो बच्चे अच्छा परफारमेंस देते हैं उन्हे पुरस्कार दिये जाते है। साथ ही सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिये जाते है।

यहां पर मार्शल आर्ट, अंग्रेजी स्पोकन, डांस, मेहंदी, ब्यूटिशियन कोर्स, सिंधी भाषी, कम्प्यूटर, वेस्ट टू बेस्ट, स्क्रैचिंग, ड्राइंग आदि कलाओं में बच्चो ने भाग लिया। अव्वल आने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

मार्शल आर्ट में प्रिंस मोतियानी प्रथम रहे। मेहंदी में भूमिका थद्धानी प्रथम रहीं। वेस्ट टू बेस्ट में निशिता प्रथम रहीं। डांस में सीनियर ग्रुप में उन्नति और जूनियर ग्रुप में मेहर रहीं। इंग्लिश स्पोकन में हंसिका, स्केचिंग में अंश राठौर, ब्यूटिशियन में नेहा ओर साक्षी प्रथम रहे।

प्राचार्य किरण वाधवानी ने कहा कि बच्चों ने ग्रीष्मकालीन छुटिटयों में अपना समय हुनर सीखकर बिताया। पढाई के साथ साथ हुनर भी जरुरी रहता है। आज समापन अवसर पर इन सभी को पुरस्कृत किया एवं सर्टिफिकेट दिये गये एवं उन्हे सेवाऐं देने वाली शिक्षिकाओ को भी पुरस्कृत किया गया।

तंबाकू निषेध दिवस पर निकली संतनगर में रैली

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर संत हिरदाराम नगर ब्रह्मा कुमारीज सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी प्रीती दीदी, दीप्ति दीदी द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रैली निकाली,जिसमें नागरिकों से तंबाकू से बने उत्पादों का सेवन न करने की अपील की गई। साथ ही अपने शरीर एवं पर्यावरण को दूषित न कर करने का संकल्प भी दिलाया इस अवसर संत नगर के शिक्षण संस्थानों स्कूलों आंगनबाड़ी कॉलेज के आसपास संचालित पान की दुकानों किराना व्यापारियों से विद्यार्थियों एवं छोटे बच्चों को तंबाकू से बने उत्पाद नहीं बचने का आग्रह भी किया। ब्रह्माकुमारी दीदी की इस पहल से प्रभावित होकर कोई दुकानदारों ने अपनी

दुकानों पर तंबाकू उत्पादों की बिक्री नहीं करने का वादा किया इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी प्रीती दीदी बीके दीप्ति दीदी, मोहन भाई, किरण बहन मधु बहन मीणा बहन भावना बहन, जानकी बहन, राज भाई, नरेश भाई, बीके राजेश भाई, नशा मुक्ति अभियान के प्रभारी बीके विजय अय्यर एवं अन्य भाई बहन उपस्थित रहे।

नशे के खिलाफ गायत्री परिवार ने निकाली रैली

भोपाल। विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर शहर में जागरुकता रैली निकाली गई। साथ ही नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से नशे के दुष्परिणाम से लोगों को अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में डाक्टर, इंजीनियरिंग एवं कानून के छात्र भी शामिल हुए।गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ के प्रांतीय प्रभारी अमर धाकड़, रमेश नागर के नेतृत्व में युवाओं की टीम ज्योति टाकीज चौराहा पर पहुंची। यहां मानव श्रंखला बनाकर समाज को व्यसन मुक्त होकर जीवन को सार्थक सृजन में लगाने का संदेश दिया। जिससे प्रेरित होकर कई लोगो ने व्यसन से दूर रहने का संकल्प लिया। गीत, संभाषण, नाटक मंचन एवं लघु फिल्म के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। साथ ही नशे की लत से पीड़ित जीवन को नशे से मुक्त करने के बारे में भी जानकारी दी गई। शान्तिकुंज प्रतिनिधि मध्य प्रदेश के समन्वयक राजेश पटेल ने समाज के हर वर्ग हर धर्म और हर आयु वर्ग को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया।

मेट्रो एंकर टेम्पल ऑफ संबोधि योग और ब्रीदिंग निःशुल्क शिविर का समापन

'प्राणायाम और ध्यान मन को करते तनावमुक्त'

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव और चिंता का सामना हर व्यक्ति को करना पड़ता है । इस तनाव से मुक्ति प्राप्त करने के लिए और स्वस्थ जीवन का आनंद उठाने के लिए योग और श्वांस के अभ्यास एक महत्वपूर्ण उपाय साबित होते हैं। इससे मन में शान्ति प्राप्त होती है योग के आसन प्राणायाम ध्यान को बढ़ाने में मदद करते हैं और हमें आत्मा जागरूकता की ओर ले जाते हैं नियमित योगाभ्यास से आत्मा की शांति और मन का संतुलन अनुभव किया जा सकता है। जहाँ एक ओर योग के आसन मांसपेशियों को मज़बूत और लचीला बनाते हैं और शारीरिक उर्जा को बढ़ाते हैं वहीं दूसरी ओर प्राणायाम और ध्यान मन को तनावमुक्त करते हुए आश्चर्यजनक रूप से शांत कर देता है जिससे कि हम अधिक सक्रिय जीवन को जी सकते हैं।

शिविर का आरंभ एक मई को किया गया था जिसका आज 31 मई को बहुत ही उत्साह से समापन हुआ । शिविर में भाग लेने वाले सभी लोगों की यह इच्छा थी कि यह शिविर एक नियमित क्लास के रूप में परिवर्तित कर दिया जाए। परंतु कर्म स्थल सेवा समिति की तरफ़ से कहा गया कि शिविर तो नियमित क्लास में परिवर्तित नहीं किया जा सकता, लेकिन इसकी पूर्ति समय-समय शिविर लगाकर की जाएगी ।

शिविर में सुबह के समय पुरुषों के लिए योग के अभ्यास वेदांत संत लाल साईं जी महाराज के द्वारा करवाए गए वहीं शाम को महिलाओं के लिए अलग क्लास का आयोजन किया गया जिसका संचालन डॉक्टर सरिता देवनानी द्वारा किया गया।

भागवत बोले– देवी अहिल्याबाई के जीवन से सीख लेना चाहिए

संघ प्रमुख भागवत तीन दिन से भोपाल में, मप्र पर मंथन !

आरएसएस के अभ्यास वर्ग में शिक्षाणर्थियों को प्रबोधन देने आए हैं भागवत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत आज शनिवार को तीसरे दिन भी भोपाल में है। पिछले तीन दिनों से वह मप्र से जुड़े कई विषयों पर गंभीर मंथन कर रहे हैं। हालांकि वह आरएसएस के अभ्यास वर्ग में शिक्षणार्थियों को प्रबोधन देने आए हैं लेकिन इस बीच मप्र से जुड़े विषयों पर भी उन्होंने मंथन, चिंतन किया है। अभ्यास वर्ग भोपाल के शारदा विहार आवासीय विद्यालय में चल रहा है जिसमें आज भी संघ प्रमुख के सत्र हो रहे हैं।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने प्रवास के दूसरे दिन एक संदेश दिया। उन्होंने यह संदेश देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती समारोह वर्ष के उपलक्ष्य में दिया। जिसमें उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य का राज्यकर्ता कैसा हो, यह देवी अहिल्या बाई को देखकर सीखा जाना चाहिए, क्योंकि वे अपने समय की आदर्श राज्यकर्ता थीं।

असल में आरएसएस राष्ट्र भर में देवी बाई होल्कर की 300वीं जन्म जयंती समारोह वर्ष मना रहा है। इसकी शुरुआत शुक्रवार से की है। संघ प्रमुख ने देवी अहिल्या बाई के जीवन से जुड़े कई विषयों पर संदेश में बात की। जिसमें उनके उस समय के जीवन, संघर्ष, आदर्श और राष्ट्र के लिए किए कार्यों को सामने रखा। संघ प्रमुख ने कहा कि आज की स्थिति में भी देवी अहिल्या बाई होल्कर का चरित्र आदर्श के समान है। एक अकेली महिला होने के बाद भी उन्होंने अपने बड़े राज्य को संभाला, बड़ा किया और सुराज्य का उदाहरण पेश किया। उनके नाम के पीछे पुण्यश्लोक शब्द है जो उस राज्यकर्ता को कहते हैं जो अपनी प्रजा को सब प्रकार के अभावों से मुक्त करता है। वास्तव में उस काल में हमारे यहां पर जो आदर्श राज्यकर्ता हुए उनमें से एक देवी अहिल्या बाई थीं। प्रजा को रोजगार मिले, इसलिए उन्होंने उद्योगों का निर्माण किया। महेश्वर का वस्त्र उद्योग आज भी चलता है और बहुत लोगों को रोजगार देता है। संघ प्रमुख ने संदेश में कहा कि मातृशक्ति के सशक्तिकरण की बात आज हम करते हैं, लेकिन मातृशक्ति कितनी सशक्त है। मातृशक्ति क्या और कैसे कर सकती है, इसका अनुकरण करने लायक आदर्श देवी अहिल्या बाई ने अपने जीवन से सामने रखा। उन्होंने केवल अपने राज्य की चिंता नहीं की बल्कि पूरे देश कि की।

मतगणना स्थल का निरीक्षण

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने आज भोपाल के पुरानी केंद्रीय जेल स्थित मतगणना स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने तेज गर्मी को देखते हुए मतगणना स्थल पर कूलर, पंखे, ठंडा पानी, मेडिकल किट, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए।

पहले राउंड में 24260 प्रवेश, दूसरे में 44672 पंजीयन हुए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश के बीएड कॉलेजों में संचालित एनसीटीई के 9 पाठ्यक्रमों में इस बार प्रवेश की स्थिति इस बेहतर नजर आ रही है। सबसे अधिक पंजीयन और प्रवेश बीएड के लिए हो रहे हैं। प्रदेश के 625 से अधिक बीएड कॉलेजों की 69 हजार सीटों पर प्रवेश के लिए पहले चरण की सीटों का आवंटन कर दिया गया है। पहले राउंड की 43101 में से केवल 24260 स्टूडेंट्स ने एडमिशन लिया है। जबकि 18841 ने सीट छोड़कर अपग्रेडेशन का ऑप्शन चुना है। वहीं दूसरे राउंड में 44672 रजिस्ट्रेशन हुए हैं, जबकि 80932 स्टूडेंट्स ने चॉइस फिलिंग की है। दूसरे राउंड की सत्यापन की अंतिम तिथि तक 41341 स्टूडेंट्स ने सत्यापन कराया है।

बीएड के लिए 38176 पंजीयन

दूसरे चरण में भी अब तक अकेले बीएड के लिए ही दूसरे चरण में कुल 38176 पंजीयन हुए है, जबकि इनमें से 35721 ने प्रवेश के लिए अपने दस्तावेजों का सत्यापन करा लिया है। दूसरे चरण में ऑनलाइन सत्यापन की अंतिम तारीख समाप्त हुई। 9 जून को सीट आवंटन होगा। वहीं, नौ से 13 जून के बीच कालेजों में ऑनलाइन फीस का भुगतान करना होगा।

मामला सीमेंट फैक्ट्री द्वारा किए पुराने अतिक्रमण से जुड़ा

70 एकड़ वन भूमि पर वर्षों से कब्जा सरकार ने सिर्फ दो का हटाया !

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

सरकार की 70 एकड़ जमीन को सीमेंट फैक्ट्री के कर्ताधर्ता लील गए और तमाम अधिकारी तमाशा देखते रहे। अब जाकर सरकार ने इस मामले में एक्शन लिया और एक वन परिक्षेत्र अधिकारी समेत दो पर निलंबन की कार्रवाई की है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक सतना के मैहर सीमेंट फैक्ट्री को शासन ने फैक्ट्री के लिए 1975 में 193 हेक्टेयर वन भूमि 99 वर्ष के लिए दी थी। फैक्ट्री प्रबंधन ने उक्त दायरे के बाहर जाकर 70 एकड़ में कॉलोनी, कॉलेज, अस्पताल व बाजार का निर्माण कर लिया, जो कि अतिक्रमण है। यह बात खुद सरकार की ओर से निलंबन आदेश में कही है। यह भी बताया कि शिकायत के आधार पर की गई जांच, पड़ताल के बाद 24 फरवरी 2024 को उक्त मामले में सीमेंट फैक्ट्री के जिम्मेदारों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

वन मंत्रालय के अधिकारियों का दावा है कि यह अतिक्रमण मैहर वन परिक्षेत्र अधिकारी सतीशचंद्र मिश्रा को हटाना था, लेकिन उन्होंने कार्रवाई नहीं की। एक अन्य अधिकारी को भी निलंबित किया गया है। मगर सतना के तमाम जिम्मेदार अधिकारियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर उनके रहते अतिक्रमण कैसे हो गया और उन्होंने कार्रवाई तक नहीं की।कब्जा के इस मामले में 22 साल बाद वन मंत्रालय कुंभकर्णी निद्रा से कैसे जागा? चर्चा है कि मामले में पूर्व में 2002 से अब तक पदस्थ रहे सभी डीएफओ-एसडीओ और रेंजर के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। क्योंकि शासन ने माना है कि प्रकरण में 24 फरवरी 2024 को वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। जबकि अतिक्रमण कर अवैध निर्माण वर्ष 2002 से किया जाना प्रतिवेदित हुआ है। इस अतिक्रमण के संबंध में जिले में पदस्थ अधिकारियों द्वारा तत्समय किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई है। निलंबन आदेश में यह भी कहा गया है कि अधिकारियों द्वारा अतिक्रमण एवं वन अपराधों की रोकथाम के संबंध में त्वरित कार्यवाही नहीं कर शासन निर्देशों की अवहेलना की गई।

तीन महीने दबा रहा पत्र

बताया जाता है कि एक सच्चाई यह भी है कि डीएफओ-एसडीओ सतना ने मैहर सीमेंट औद्योगिक संस्था के खिलाफ अतिक्रमण का अपराध दर्ज कर शासन से कार्रवाई के लिए पत्र लिखा है। 3 महीने तक राज्य शासन पत्र को दबाए बैठा रहा और आप जाकर एसडीओ रेंजर के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की। अब कर्मचारी कांग्रेस के प्रांताध्यक्ष मुनेंद्र सिंह परिहार ने आदेश का विरोध करते हुए कहा है कि राज्य शासन वन विभाग द्वारा फैक्ट्री कल्चर एवं आईएएस लॉबी के दवाब में उप वनमण्डल अधिकारी एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी मैहर को अनुचित निलंबित किया है। क्योंकि वनमण्डल अधिकारी सतना ने खुद अपने पत्र द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी गई है कि अतिक्रमण वर्ष 2002 का है और गूगल इमेजिंग में भी चिन्हित है।

एसडीओ-रेंजर के निलंबन की असल वजह

एसडीओ-रेंजर की असल वजह कुछ और है। जानकारी के अनुसार बंसीपुर के एक व्यक्ति की जानवर के हमले से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। मैहर कलेक्टर का मानना था कि मौत वन्य प्राणी के हमले से हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी स्पष्ट हो गया कि मौत वन्य प्राणी के हमले से हुई है। इस बात को लेकर कलेक्टर ने एसडीओ से स्पष्टीकरण मांगा। एसडीओ यशपाल मेहरा ने डीएफओ को जवाब भेजा। इसी बात पर कलेक्टर नाराज हो गये। उन्होंने कमिशनर रीवा को पत्र लिखकर एसडीओ निलंबित करने के लिए कहा। बाद में आईएएस लॉबी के दबाव में एसडीओ और रेंजर को निलंबित कर दिया।

पीएचक्यू में औचक क्लास लेने पहुंचे सीएम, मचा हड़कंप

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने गत दिवस जब आकस्मिक रूप से पुलिस मुख्यालय में दस्तक दी तो वहां हडकंप मच गया। उन्होंने पुलिस महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर जरूरी निर्देश दिए। दरअसल दो दिन पहले अशोकनगर समेत हाल के दिनों में कुछ अपराधिक घटनाओं से पुलिस की छवि पर उठ रहे सवालों के बीच मुख्यमंत्री ने अफसरों से साफ कहा कि अपराधों पर नियंत्रण के लिए हमेशा अलर्ट रहें।

अफसरों को इलाकों में रात्रि विश्राम को कहा

सख्ती और सजगता के साथ बड़े कार्यक्रमों एवं आयोजनों की दृष्टिगत आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था भी रखें। यादव ने कहा कि शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने पर विद्यार्थियों की सुरक्षा और स्कूल-कॉलेज परिसर में सद्भाव का वातावरण बना रहे, इसके लिये हरसंभव आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। संभाग स्तर पर कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशकों को सौंपे गए दायित्व और भूमिका की समीक्षा की जाए।

पुलिस अफसर करेंगे जिलों में रात्रि विश्राम: मुख्यमंत्री ने कहा है कि पुलिस अधिकारी अपने कार्यक्षेत्र में रात्रि विश्राम के साथ ही सतत निरीक्षण भी करें तथा अधीनस्थ अधिकारियों और पुलिस बल से संवाद करते रहें। मुख्यमंत्री ने अशोकनगर में कुछ आपराधिक तत्वों द्वारा शस्त्र लहराने की घटना के संदर्भ में कहा कि अपराधियों में पुलिस का खौफ होना चाहिए। पुलिस का एक्शन अविलंब होना चाहिए। इसके अलावा यदि सोशल मीडिया के दौर में अपराध नियंत्रण की जानकारी भी निरंतर मिलना चाहिए। पुलिस बल द्वारा अपराध नियंत्रण के लिए की गई आवश्यक कार्रवाई को भी तत्परता से सोशल मीडिया पर प्रचारित एवं प्रसारित करना चाहिए। उन्होंने पुलिस मुख्यालय, जोन स्तर और जिला स्तर पर प्रतिदिन प्रेस विज्ञप्ति जारी करने की परम्परा सशक्त बनाने को कहा।

इग्नू के चार नए कोर्स में पढ़ाई का मौका, आवेदन 30 जून तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) के जुलाई सत्र में दाखिले के लिए उम्मीदवार 30 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस साल उम्मीदवारों को स्नातकोत्तर प्रोग्राम में चार नए प्रोग्राम में पढ़ाई का मौका मिलेगा।

इस प्रोग्राम में सभी चारों कोर्स एमएससी के हैं। यह कोर्स ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग मोड (ओडीएल) से चलेंगे। इसमें पढ़ाई का माध्यम अंग्रेजी रहेगा। इग्नू के उपनिदेशक डॉ. अंशुमान उपाध्याय ने बताया कि इन कोर्सेज में दाखिले के लिए न्यूनतम योग्यता अलग-अलग रहेगी। जुलाई सत्र में उम्मीदवारों को एमएससी बॉयोकेमिस्ट्री, एमएससी एनालिटिकल केमिस्ट्री,एमएससी जूलॉजी और एमएससी केमिस्ट्री में भी पढ़ाई का मौका मिल रहा है।

भारतीय वन सेवा के 5 अधिकारियों को मिली पदोन्नति, पीसीसीएफ सत्यानंद को बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भारतीय वन सेवा के 5 अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षकों को प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद पर पदोन्नति दी है। इनमें से दो अधिकारी मप्र में और 3 प्रतिनियुक्ति पर केंद्र में विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल रहे हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सत्यानंद को प्रधान मुख्य वन संरक्षक बनाकर राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर का संचालक बनाया है। इसके अतिरिक्त उन्हें प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख कार्यालय की वित्त व बजट शाखा का अतिरिक्त प्रभार भी दिया है। वह वन्यप्राणी में कई प्रमुख जिम्मेदारियां देख रहे थे। वहीं मप्र राज्य वन विकास निगम में पदस्थ अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुदीप सिंह को प्रधान मुख्य वन संरक्षक पद पर पदोन्नत करते हुए मप्र राज्य जैव विविधता बोर्ड का सदस्य सचिव बनाया है। इसके अलावा उन्हें प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख कार्यालय में समन्वय शाखा का प्रभार भी दिया है। इन दोनों अधिकारियों की पदोन्नति पदभार ग्रहण वाली तारीख से मान्य होगी। वहीं केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय में अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार असित गोपाल, वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में डायरेक्टर डॉ. रेनू सिंह और इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च देहरादून में डायरेक्टर कंचन देवी को प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद पर पदोन्नत किया है। ये तीनों अधिकारी पूर्व की तरह आगे भी केंद्र में ही सेवाएं देंगे। ये अब तक अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक थे।

चुनावों में ड्यूटी का कर्मचारियों को अब तक नहीं मिला मानदेय

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा चुनाव हो गए है और अब रिजल्ट भी आने वाला है, लेकिन भीषण गर्मी में चुनाव ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों को अब तक चुनावों का मानदेय नहीं मिला है। लोकसभा चुनावों के साथ-साथ कई स्थायी कर्मियों को तो विधानसभा और नगर निगम चुनावों के मानदेय भी नहीं मिले है। इसे लेकर कर्मचारी लगातार निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर मांग कर रहे हैं। मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ के महेंद्र शर्मा ने बताया कि कई कर्मचारियों को पिछले तीन पंचवर्षीय नगर निगम, विधानसभा और लोकसभा तीनों का ही भुगतान नहीं किया गया है। प्रदेश में चतुर्थ श्रेणी, स्थायी अंशकालीन कर्मी, दैवेभो, आंगनबाड़ी सहित लघु वेतन कर्मचारियों ने पोलिंग बूथ पर सुरक्षा के लिए ड्यूटी निभाई थी, लेकिन इन कर्मचारियों को अब तक मानदेय का भुगतान नहीं हो पाया। इस संबंध में हमने हाल ही में मुय निर्वाचन पदाधिकारी से मुलाकात कर पत्र सौपा है उन्होंने आश्वासन दिया है साथ ही निर्देश भी जारी किए हैं। हमारी मांग है कि कर्मचारियों को शीघ्र ही मानदेय दिया जाए। भोपाल जिले के कई कर्मचारियों को मानदेय नहीं मिला है। सिर्फ कुछ कर्मचारियों के खाते में ही मानदेय आया है, जबकि अधिकांश कर्मचारियों को मानदेय नहीं मिला है।

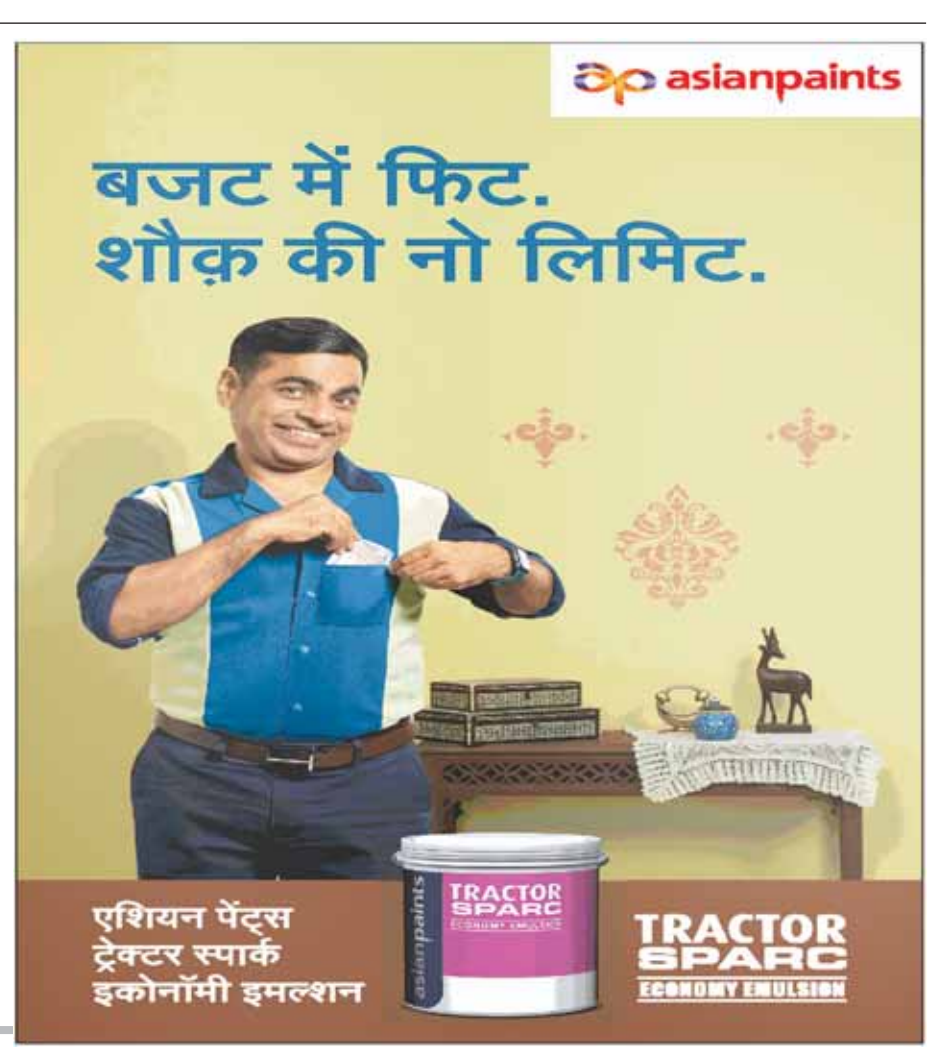

संपादकीय

बीमाधारकों की सुध

बीमाधारकों को काफी बड़े दावों के साथ बीमा कवर दिया जाता है लेकिन कई ऐसे झमेले होते हैं,जो बाद में बीमाधारक के लिये मुश्किल बने रहते हैं। अब बीमा नियामक आईआरडीएआई ने हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियों से जुड़े नियमों में कुछ महत्वपूर्ण नजर आने वाले बदलाव किए हैं, ये पॉलिसी धारकों की सुविधा के लिहाज से खासे अहम साबित होंगे। नियामक ने पिछले 55 सर्कुलरों को रद्द करके अब जारी मास्टर सर्कुलर में प्रक्रिया संबंधी उन गड़बड़ियों को फोकस में लिया है, जो पहली नजर में देखने में आम लगती हैं, लेकिन पॉलिसीधारकों के लिए परेशानी का सबब बनी रहती हैं। आम लोगों का ध्यान खींचने वाली सबसे बड़ी बात इसमें यह है कि अब कैशलेस क्लेम को मंजूरी देने की समय सीमा एक घंटा निर्धारित हो गई है। यही नहीं, हॉस्पिटल से डिस्चार्ज का अनुरोध मिलने के तीन घंटे के भीतर डिस्चार्ज ऑथराइजेशन से जुड़ा पूरा मामला निपटाना होगा। सबसे अहम पहलू यह है कि इसमें देर होने की वजह से अगर हॉस्पिटल का बिल बढ़ता है तो उस अतिरिक्त राशि का भुगतान बीमा कंपनी को करना होगा। इस सर्कुलर में पॉलिसीधारकों को मिलने वाली सर्विस की क्वालिटी में सुधार सुनिश्चित करने वाले कई उपाय बड़ी बारीकी से शामिल किए गए हैं। खास तौर पर पॉलिसीधारक की इलाज के दौरान मौत होने की स्थिति में क्लेम सेटलमेंट तत्काल निपटाने को कहा गया है ताकि शव अस्पताल से निकलवाने में देर न हो। ऐसे मामलों में देरी इंश्योरेंस स्कीम की उपयोगिता और संबंधित पक्षों की संवेदनशीलता पर सवाल खड़ा करती रही है। वहीं अस्पताल प्रबंधन भी ऐसे वक्त में असंवेदनशील नजर आने लगते हैं। इसी तरह इंश्योरेंस कंपनियों को समयबद्ध तरीके से 100 फीसदी कैशलेस क्लेम सेटलमेंट का लक्ष्य दिया जाना भी बेहद अहम है। इस मास्टर सर्कुलर की सार्थकता असल में पॉलिसीधारकों को हो रही असुविधाओं से जुड़े फीडबैक में है। आम अनुभव में तो ऐसी बातें आ ही रही थीं, निजी एजेंसी के एक हालिया सर्वे में भी यह बात स्थापित हुई थी। सर्वे के मुताबिक पिछले तीन वर्षों के दौरान 43त्न पॉलिसीधारकों ने इंश्योरेंस क्लेम की प्रॉसेसिंग में दिक्कतें झेलीं। उनके मुताबिक यह प्रक्रिया बेहद जटिल और लंबी होती है, जिसकी वजह से पॉलिसीधारक और उसके परिवार के सदस्यों को अस्पताल में आखिरी दिन क्लेम प्रोसेस करवाने की भागदौड़ करते बिताना पड़ता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अब यह स्थिति बदलेगी। मगर हेल्थ इंश्योरेंस सर्विस की क्वॉलिटी सुधारने जितना ही जरूरी है, इंश्योरेंस कवरेज का दायरा बढ़ाना। दरअसल हकीकत यह है कि देश में चाहे पब्लिक हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम की बात की जाए या प्राइवेट इंश्योरेंस की, दोनों मिलकर भी आबादी के 70 फीसदी हिस्से को ही कवर कर पाते हैं। मतलब यह कि करीब 30 फीसदी यानी लगभग 40 करोड़ लोग इस दायरे से बाहर हैं। इन लोगों तक हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा पहुंचाना दोनों ही क्षेत्र की कंपनियों की प्राथमिकता में शामिल होना चाहिए, लेकिन आम व्यक्ति के लिये बीमा कंपनियों का रुख बेहद संवेदनशील होना सबसे जरूरी है, इसके लिये सरकार के स्तर पर भी संज्ञान लेकर हरसंभव पहल की जाना जरूरी है,क्योंकि अस्पताल में दाखिल किसी भी मरीज का परिवार बेहद अलग मनस्थिति में होता है,कठिन वक्त में बीमा कंपनियों का प्रक्रियागत झंझट उसके मन में खरोंच पैदा करता है।

> जरूरी नहीं कि हमें जानने वाला हर कोई हमें समझ पाएं तराजू वजन बता सकता है गुण नहीं

आज का इतिहास

- 1899 फीमेल ओल्ड वेस्ट आउटलाव पर्ल हार्ट ने गोलकॉच डकैतियों में से एक ग्लोब, एरिज़ोना के 30 मील दक्षिण-पूर्व में प्रदर्शन किया।
- 1910 जनरल लुइस बोथा दक्षिण अफ्रीका संघ के पहले प्रधानमंत्री बने।
- 1913 लंदन की संधि पर प्रथम बाल्कन युद्ध के समापन से उत्पन्न होने वाले प्रादेशिक भेदभावों से निपटने के लिए हस्ताक्षर किए गए थे, अन्य बातों के अलावा, एक स्वतंत्र अल्बानिया।
- 1919 ब्रिटिश ने 1915 में नाइट टाइटल के साथ रवींद्रनाथ टैगोर को ताज पहनाया, लेकिन जलियांवाला बाग में हुई घटना के बाद, रवींद्रनाथ टैगोर ने आतंक का विरोध करने के लिए 1919 में नाइट टाइटल को आगे रखने से मना कर दिया।
- 1925 शंघाई म्युनिसिपल पुलिस के अधिकारियों ने शहर के अंतर्राष्ट्रीय निपटान में चीनी उत्पादकों पर गोलियां चला दीं, जिससे अमाजोर श्रम और साम्राज्यवाद विरोधी आंदोलन को बढ़ावा मिला।
- 1942 द्वितीय विश्व युद्ध- एक हजार ब्रिटिश हमलावरों ने कोलोन, जर्मनी पर 90 मिनट का हमला किया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मित्र राष्ट्रों द्वारा 262 अलग-अलग हवाई हमलों में जर्मन शहर कोलोन में बमबारी की गई थी। आरएएफ द्वारा शहर पर कुल 34,711 लंबे टन बम गिराए गए।
- 1948 कोलंबिया नदी को पकड़ने वाली एक खाई टूट गई, जिससे बाढ़ आई जिसने वनपोर्ट, ओरेगन, अमेरिका को नष्ट कर दिया।

निशाना

दिन बचे कुछ शेष !

- कृष्णेन्द्र राय

ना बख्शेंगे किसी को ।
बनी यदि सरकार ।।
दिन बचे कुछ शेष ।
है रहना तैयार ।।
कुछ दिन की मनमानी ।
चाहे जो कर डालो ।।
हमको ही है लौटना ।
खुद को अब संभालो ।।
सबका हमको ध्यान ।
भूल नहीं ये जाना ।।
करके रहेंगे पेश कुछ ।
अलग अब नज़राना ।।
भले बचा ना पाए ।
अपनी हम सरकार ।।
लेकिन कूद लगाने को ।
हो रहे तैयार ।।

यह पूरे तंत्र की विफलता, निपटने के लिए केंद्र व राज्यों के सम्मिलित प्रयासों की जरूरत

■ कैप्टन एसके द्विवेदी

बीते 25 मई को गुजरात के राजकोट में गेमिंग जोन में आग लगने से बच्चों समेत 32 लोगों की मौत हो गई। राज्य सरकार ने एसआईटी गठित कर जांच शुरू कर दी है। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मृतकों के परिवार को चार लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। 25 मई की रात ही दिल्ली में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाएं हुईं। विवेक विहार में बच्चों के अस्पताल में आग लगने से सात नवजात शिशुओं की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। इसके अलावा, कृष्णानगर में एक इमारत में करीब दो बजे सुबह आग लगी, जिसमें तीन लोगों की जान चली गई और तीन अन्य लोग घायल हो गए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी संवेदना व्यक्त की और आश्वासन दिया कि घटनाओं के कारणों की जांच की जा रही है, ताकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके।घनी आबादी और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तंग बुनियादी ढांचे के कारण भारत के शहरी क्षेत्र आग लगने जैसी घटनाओं के लिए विशेष रूप से असुरक्षित हैं। जैसे कि वर्ष 2018 में मुंबई के ईएसआईसी कामगार अस्पताल में आग लगी और 2019 में सूरत कोचिंग सेंटर में आग लगने से 22 छात्रों की मौत हो गई।

ये घटनाएं बताती हैं कि अतीत की त्रासदियों से पूरी तरह सबक नहीं लिया गया। अतीत में हुए सबसे दुखद उपहार सिनेमा अग्निकांड और भोपाल गैस त्रासदी ने प्रणालीगत सुधारों की जरूरत और उपेक्षा के गंभीर परिणामों को उजागर किया। औद्योगिक सुरक्षा चूक की कई घटनाएं हुई हैं, जो मजबूत शासन और सख्त सुरक्षा नियमों की तत्काल जरूरत को रेखांकित करती हैं। उपहार सिनेमा अग्निकांड एक ऐसी त्रासदी थी, जिसे रोका जा सकता था। 13 जून, 1997 को जब दिल्ली के उपहार सिनेमा में एक लोकप्रिय फिल्म प्रदर्शित हो रही थी, उसी समय खराब ट्रांसफार्मर के कारण आग लग गई, जिसमें 59 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। ज्यादातर पीड़ित दम घुटने के कारण मरे, क्योंकि वे बालकनी वाले इलाके में निकास द्वार के बंद या बाधित होने के कारण फंस गए थे। अग्नि सुरक्षा से संबंधित उचित उपायों और आपातकालीन तैयारियों की कमी के कारण यह त्रासदी और भी गंभीर हो गई।

इस अग्निकांड की जांच में घोर लापरवाही और सुरक्षा उपायों का उल्लंघन पाया गया, जैसे कि बचकर भागने के रास्ते बंद थे और अग्निशमन उपकरण उचित रखरखाव के अभाव में खराब थे। उपहार सिनेमा अग्निकांड भवन संहिता (बिल्डिंग कोड) एवं अग्नि सुरक्षा उपायों के सख्त क्रियान्वयन की व्यापक आवश्यकता की याद दिलाता है। यह नियमों के अनुपालन में स्थानीय अधिकारियों की विफलता को भी उजागर

करता है, जो शासन के व्यापक मुद्दों को रेखांकित करता है, जिससे केंद्र और राज्य, दोनों स्तरों पर निपटने की जरूरत है।

अग्निकांड से अलग प्रणालीगत विफलता का एक और उदाहरण है-भोपाल गैस त्रासदी। 1984 की भोपाल गैस त्रासदी औद्योगिक सुरक्षा की कमी का एक प्रमुख उदाहरण है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर जनहानि हुई। भोपाल में यूनियन कार्बाइड कीटनाशक संयंत्र में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ, जिसके कारण हजारों लोगों की तत्काल मृत्यु हो गई और पांच लाख से ज्यादा लोगों को लंबे समय तक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझना पड़ा। यह त्रासदी खराब रखरखाव, अपर्याप्त सुरक्षा प्रोटोकॉल, आपातकालीन स्थितियों में तैयारी की कमी का नतीजा थी। इसके बाद लंबी कानूनी लड़ाइयां चलीं और पीड़ितों को देर से न्याय मिला। इस त्रासदी ने औद्योगिक संयंत्रों के संचालन में सुरक्षा मानकों को लागू करने और नियामक निगरानी के महत्व को उजागर किया। इसने लापरवाही के लिए कंपनियों को जिम्मेदार ठहराने और ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए निवारक उपाय सुनिश्चित करने के लिए एक मजबूत कानूनी ढांचे की आवश्यकता को भी प्रदर्शित किया। इस तरह की भयावह घटनाओं के बावजूद हमारे देश के राज्यों में सुरक्षा एक महत्वपूर्ण चिंता बनी हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि हमारे देश में हर साल आग लगने की घटनाओं में हजारों लोगों की जान जाती है। बिजली के शॉर्ट-सर्किट, ज्वलनशील सामग्रियों का सही ढंग से भंडारण नहीं करने और सुरक्षा उपायों की उपेक्षा आग लगने के आम कारण होते हैं। हमारे देश में आग के खतरों से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करना-राष्ट्रीय भवन संहिता और अग्नि सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। नियमित निरीक्षण और गैर-अनुपालन के लिए दंड का प्रावधान रहने से लापरवाही को रोका जा सकता है। जन-जागरूकता और प्रशिक्षण- नागरिकों को अग्नि सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर नियमित मॉक ड्रिल (अभ्यास) करने से तैयारी बेहतर हो सकती है तथा मरने वालों की संख्या कम हो सकती है। बुनियादी ढांचे में सुधार-विद्युत अवसंरचना का आधुनिकीकरण और सुरक्षित निर्माण सुनिश्चित करने से आग लगने के सामान्य कारणों को कम किया जा सकता है। आपातकालीन सेवाओं को सुदृढ़ बनाना-प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए विशेष रूप से शहरी केंद्रों में, अग्निशमन विभागों की क्षमताओं और प्रतिक्रिया समय में सुधार करना आवश्यक है। कॉरपोरेट जवाबदेही- सख्त कॉरपोरेट प्रशासन मानकों को लागू करने और सुरक्षा उल्लंघनों के लिए कंपनियों को जवाबदेह ठहराने से औद्योगिक आपदाओं को रोका जा सकता है। उपहार सिनेमा अग्निकांड और भोपाल गैस त्रासदी आग के खतरों और औद्योगिक सुरक्षा चूक के विनाशकारी प्रभाव की याद दिलाती हैं। इनसे निपटने के लिए न केवल विनियामक सुधार और नियमों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है, बल्कि सुरक्षा उपायों और तैयारियों को प्राथमिकता देने की दिशा में सांस्कृतिक बदलाव भी जरूरी है। भविष्य की आपदाओं को रोकने और पूरे देश में जीवन की सुरक्षा के लिए प्रभावी शासन और सक्रिय उपाय महत्वपूर्ण हैं।

- साभार: यह लेखक के विचार हैं।

प्रकृति एवं पर्यावरण में जहर घोलने से बढ़ी जानलेवा गर्मी

■ ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के प्रचार की गर्मी भले ही समाप्त हो गयी हो लेकिन प्रकृति से जुड़ी गर्मी सौ-डेढ़ सौ वर्षों का रिकार्ड तोड़ते हुए कहर बरपा रही है। दिल्ली का पारा 50 डिग्री से तो ज्यादा ही रहा है। देश के 17 से अधिक शहरों में तापमान उच्चतम स्तर पर चल रहा है। यह एक तरह का प्राकृतिक आपातकाल है। हीटवेव या यों कहें कि लू के थपेड़ों ने जनजीवन को मौत के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। लू या हीटवेव या तापघात के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में मौत के समाचार भी आ रहे हैं। तस्वीर का एक पहलू यह है कि अभी तक सही मायने में हमारे देश में हीटवेव को डिजास्टर मैनेजमेंट में पूरी तरह से शामिल नहीं किया गया है। वैज्ञानिक बता रहे हैं कि शहरों में हीट आइलैंड बन रहे हैं, जिसके लिए मुख्य रूप से सीमेंट-तारकोल और कृत्रिम वातानुकूलित (एसीवाली) जीवनशैली जिम्मेदार है। कंक्रीट और तारकोल के जंगलों का विस्तार करने को जब तक हम अपनी जरूरत समझते रहेंगे तब तक हरे-भरे जंगलों को कटने से कोई नहीं रोक सकेगा। दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर देश जब तक जीडीपी से विकास को मापेगा, बेहिसाब औद्योगीकरण एवं शहरीकरण की होड़ रहेगी, तब तक पर्यावरण असंतुलन एवं गर्मी का प्रकोप ऐसे ही विनाश का कारण बनता रहेगा।

इस बार बढ़ती गर्मी ने सारे रेकॉर्ड तोड़ दिये हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। राजधानी दिल्ली के एक इलाके में अधिकतम पारा 52.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो देश के इतिहास का सबसे ज्यादा तापमान है। राजस्थान के चुरु और फलोदी आदि का पारा तो 50 के आसपास या ऊपर ही चल रहा है। जैसलमेर आदि स्थानों पर गर्मी इतने तेज है कि धरती तवे की तरह तप रही है, लोगों ने पापड़ सेक कर या आमलेट बनाते हुए दृश्य सोशल मीडिया पर दिखाये हैं। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर होते जा रहे है। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल हो रहा है। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा नहीं तो आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बड़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बड़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने

वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम नहीं बल्कि गरीबी मारती है।

जलवायु परिवर्तन का असर अब ज्यादा स्पष्ट तौर पर दिखने लगा है। अगर गर्मी पड़ रही है तो पिछले कई दशक के रिकॉर्ड तोड़ रही है। अगर बारिश हो रही है तो कुछ घंटों में ही पूरे मॉनसून की बरसात के बराबर पानी गिर रहा है। सर्दी भी साल-दर-साल नए रिकॉर्ड बना रही है। कुल मिलाकर हर मौसम अब अप्रत्याशित क्रूरतम रुख दिखा रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, अल नीनो और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की दोहरी मार के कारण धरती के तापमान में लगातार बड़ोतरी हो रही है। इससे धरती पर मौजूद सभी जीव-जंतुओं, वनस्पति और इंसानों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। अनेक लोगों की भीषण गर्मी में जान चली गयी, बिहार की स्कूली छात्राएं बड़ी संख्या में बेहोश हो गयी। इन जटिल स्थितियों को देखते हुए गर्मी के मौसम में काम के घंटों का निर्धारण एवं स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की अवधि मौसम की अनुकूलता के अनुरूप ही होनी चाहिए। आसन्न संकट को महसूस करते हुए दीर्घकालीन रणनीति, इस चुनौती से निपटने के लिये बनाने की जरूरत है।

दुनियाभर में अगले 20 साल के भीतर कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग में कई गुना बड़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बड़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बड़ोतरी दर्ज की जा रही है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बड़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा शृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है। एशिया के अलावा यूरोप व अमेरिकी देशों में भी तापमान में अप्रत्याशित बदलाव नजर आ रहा है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। खासकर ऐसे समय में जब हरियाणा व राजस्थान में पारा पचास पार करके गंभीर चुनौती का संकेत दे रहा है। स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगह धारा 144 लागू की गई है, जो इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। दिल्ली के अनेक इलाकों में बड़ती गर्मी के साथ जल आपूर्ति एक बड़ी समस्या बनी हुई है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। जीवनदायक वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त में दे रखी है। पानी, हवा एवं प्यार और आज वे ही विवादास्पद, दूषित और झूठी हो गयी हैं। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे।

- साभार

पूर्णाहुति के साथ भागवत कथा का हुआ समापन

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो।

आज के व्यस्ततम समय में प्रत्येक व्यक्ती अपनी आवश्यकताओं एवं आकांक्षाओ को पूर्ण करने में निरंतर प्रयासरत है। जीवन की इस अपाधापी मे हमारे हदय में निरंतर ईश्वर का चिंतन हो, इसके लिए आवश्यक है कि हमारा अंतः करण पवित्र हो, इस परिपेक्ष्य में वैकुण्ठ वासी पंडित आशीष दुबे एवं पूर्वजों की पुण्य स्मृति में भागवत महापुराण मूल पाठ का आयोजन ग्राम बिछुआ में कलश यात्रा के साथ 24 मई से प्रीतिदिन राम मंदिर बिछुआ से कथा प्रवचन 03 बजे से शाम 06 बजे तक किया गया। 31 मई को पंडित प्रदीप शर्मा बीना वाले के मुखार बिंद से सात दिन हो रही कथा का सैकड़ो धर्म प्रेमी जनता ने धर्म लाभ लेकर कथा श्रवण की श्रीमद् भागवत कथा के सप्तम दिवस पर ग्राम बिछुआ पहुंचे श्रीमद् भागवत एवं शिव पुराण के वक्त पंडित सौरभ दुबे के निज निवास बिछुआ पहुंचे जिसमें सर्वधर्म सद्भावना समिति के संरक्षक बशारत खान तवा नगर वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदेश महामंत्री प्रदीप दुबे रूपापुर राष्टीय विप्र एकता मंच संभागीय अध्यक्ष पंडित अंकित दुबे पंडित सौरभ दुबे पंडित वैभव दुबे पंडित ऋषभ दुबे ने पंडित प्रदीप मिश्रा का स्वागत सम्मान किया कथा सुनने क्षेत्र के बड़ी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित रहे कथा समापन में भंडारे का आयोजन किया गया।

कलेक्टर ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की शपथ दिलाई

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा कलेक्टर कार्यालय में एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एस.एस. रावत द्वारा जिला पंचायत कार्यालय में सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की शपथ दिलाई।

डिप्टी कलेक्टर एवं उप संचालक सामाजिक न्याय डॉ. बबीता राठौर ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की जानकारी देते हुए बताया कि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के निर्देशों के परिपालन में 31 मई 2024 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' के अवसर पर स्थानीय सेठानी घाट पर शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर के जन-सामान्य में तम्बाकू सेवन, धूम्रपान सेवन की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए उनके दुष्परिणामों की जानकारी दी। युवाओं एवं जन सामान्य को जानकारी दी गई कि तम्बाकू के सेवन से कैंसर टी.वी., हृदयाघात आदि बीमारियाँ होने की संभावना रहती है।

लोकसभा निर्वाचन की मतगणना संबंधी स्टेंडिंग कमेटी की बैठक आज

रायसेन । लोकसभा निर्वाचन-2024 अंतर्गत ससंदीय क्षेत्र 17-होशंगाबाद की विधानसभा सेगमेंट 140-उदयपुरा तथा संसदीय क्षेत्र 18-विदिशा की विधानसभा सेगमेंट 141-भोजपुर, 142-सांची तथा 143-सिलवानी की मतगणना 04 जून 2024 को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय रायसेन में की जाएगी। मतगणना एवं मतगणना संबंधी व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में स्टेंडिंग कमेटी की बैठक 01 जून 2024 को प्रातः 11.30 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई है।

शासकीय महिला आईटीआई में प्रवेश 10 जून तक होंगे

सीहोर । डॉ. अम्बेडकर महिला आईटीआई सीहोर में संचालित एनसीव्हीटी के हिन्दी स्टेनो, कोपा, फैशन डिजाइन, कम्प्यूटर हार्डवेयर, इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक्स मैके, ड्राफ्ट्समैन सिविल पाठ्यक्रम में सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश 01 मई से हो रहे हैं। इन प्रवेश की अंतिम तिथि 10 जून है। शासकीय महिला आईटीआई में प्रवेश के लिए प्रवेश पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। दसवीं पास सभी श्रेणी की महिला आवेदक व अन्य आवेदक प्रवेश के लिए विभाग के पोर्टल पोर्टल https:/ / mpiticounsling.co.in या www. dsd. mp.gov.in पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। शासकीय महिला आईटीआई सीहोर में प्रवेश हेतु प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिये संस्था में जाकर प्रवेश हेल्प डेस्क से सम्पर्क कर सकते हैं।

4 जून को सुबह 8 बजे पोस्टल बैलेट तथा 8:30 बजे ईवीएम से शुरू होगी मतगणना

मतगणना कक्ष पर मोबाइल फोन, लैपटॉप, इलेक्ट्रानिक वॉच के उपयोग पर प्रतिबंध

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत 4 जून 2024 मंगलवार को होशंगाबाद के संसदीय क्षेत्र पिपरिया, सिवनीमालवा, होशंगाबाद एवं सोहागपुर क्षेत्र के मतों की मतगणना सम्पन्न की जाएगी। होशंगाबाद के संभागीय आई.टी.आई. कॉलेज में मतगणना की जाएगी। प्रात 8 बजे से पोस्टल बैलेट एवं प्रात÷8÷30 बजे से ईव्हीएम के मतों की गणना की जाएगी। तत्संबंध में आयोजित बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सोनिया मीना ने राजनैतिक दलों के अभ्यर्थी एवं अभ्यर्थियों के प्रतिनिधियों को मतगणना के संबंध में जानकारी दी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संसदीय क्षेत्र 17-होशंगाबाद के लिए 5 मतगणना प्रेक्षक की नियुक्ति की है। 136-सिवनीमालवा एवं 137-होशंगाबाद के लिए डॉ प्रतिम बी यशवंत को मतगणना प्रेक्षक नियुक्त किया है। इसी क्रम में 138-सोहागपुर एवं 139-पिपरिया के लिए सुश्री पूनम को, 119-नरसिंहपुर एवं 120 तेंदुखेडा के लिए सूरज प्रकाश रूकवाल को, 121-गाडरवाडा के लिए नागेन्?द्र पासवान को तथा 140-उदयपुरा के लिए सूरज कुमार को मतगणना प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया कि मतगणना कक्ष में मोबाईल फोन, टेबलेट, आईपेड, लेपटॉप, इलेक्ट्रानिक वॉच, ऑडियों वीडियो रिकार्ड करने वाली इलेक्ट्रानिक डिवाईस ले जाने की अनुमति नहीं होगी। अभ्यर्थी जिनके साथ हथियार शुदा सुरक्षा कर्मी है उन्हें सुरक्षा त्यागने की लिखित अंडरटेकिंग देने पर ही प्रवेश दिया जाएगा। बताया गया कि अभिकर्ता उन्हें आवंटित टेबल पर ही बैठेंगे, पूरे हाल में घूमने की या अन्य गणना कक्षों में जाने की अनुमति नहीं होगी। अभ्यर्थी की ओर से एक समय में या तो अभ्यर्थी या उसके निर्वाचन अभिकर्ता को एआरओ टेबल पर उपस्थित रहने की अनुमति होगी। आदेश की अवहेलना की स्थिति में आरओ या एआरओ किसी भी व्यक्ति को गणना परिसर से बाहर कर सकेंगे।जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि गणना अभिकर्ता को प्रातः 7 बजे मतगणना स्थल पर पहुंचना होगा। प्रातः7 बजे डाक मत पत्रों के स्ट्रांग रूम को खोला जाएगा एवं डाक मत पत्रों को गणना कक्ष तक पहुंचाया जाएगा। प्रातः 7:15 बजे जिले के चारों विधानसभा खण्डों के ईवीएम के स्ट्रांग रूम को खोला जाएगा। प्रातः 8 बजे डाक मत पत्रों की गणना एवं प्रात÷8:30 बजे ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ होगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों के अभ्यर्थियों को अवगत कराया कि गणना टेबल पर गणना अभिकर्ताओं के बैठने की व्यवस्था क्रम से रहेगी। पहले मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के अभ्यर्थी के गणना अभिकर्ता बैठेंगे, अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अभ्यर्थियों के गणना अभिकर्ता, इसके पश्चात रजिस्टर्ड गैर मान्यता प्राप्त दलों के अभ्यर्थीयों के गणना अभिकर्ता , फिर उसके पश्चात निर्दलीय अभ्यार्थियों की गणना अभिकर्ता बैठेंगे।

परिणामों की घोषणा करने के तत्काल उपरांत बाद निर्वाचित अभ्यर्थी को प्रारूप 22 में निर्वाचन का प्रमाण पत्र अभ्यर्थी से पावती प्राप्त कर प्रदान किया जाएगा। पावती पर निर्वाचित अभ्यर्थी के हस्ताक्षर होना एवं आरओ द्वारा सत्यापित किया जाना अनिवार्य होगा। यदि अभ्यर्थी मतगणना केन्द्र पर उपस्थित नहीं है एवं उसके 1 या 2 दिन आने की संभावना भी नहीं है तो अभ्यर्थी द्वारा हस्ताक्षरित पावती भी उसी व्यक्ति के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। नरसिंहपुर, उदयपुरा एवं होशंगाबाद से सारे एवं अंतिम परिणाम आने के बाद ही घोषणा की जाएगी।

बैठक में अभ्यर्थी दर्शन सिंह चौधरी, संजय शर्मा, राम गोविंद बरूआ, सरजे राव सहारे, अभ्यार्थियों के प्रतिनिधि पियुष शर्मा, शिवाकांत, अनोखेलाल राजौरिया, धर्मेन्द्र तिवारी, अजय श्रीवास्तव, मनोज शर्मा, पुलिस अधिक्षक गुरूकरन सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौजानसिंह रावत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी डीके सिंह, इटारसी एसडीएम टी प्रतीक राव सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नर्मदा कॉलेज में पक्षियों के लिए बांधे गए सकोरे

नर्मदापुरम। नर्मदा कॉलेज में गर्मी से पक्षियों के संरक्षण और शिक्षा नवाचार के अंतर्गत बगीचे में सकोरे बांधे गए। उनमें पक्षियों के लिए दाना, पानी डाला गया, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों को आसानी से पानी उपलब्ध हो जाए और उन्हें जल के लिए भटकना न पड़े। इस दौरान प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे ने प्राध्यापकों और विद्यार्थियों से अपील की है कि ग्रीष्मकाल में सभी लोग अपने-अपने घरों में पक्षियों और पशुओं की प्यास बुझाने के लिए छत पर, दीवारों पर, पेड़ों पर सकोरे या पुराने बर्तन में पानी अवश्य रखें। साथ ही घर के बाहर भी सुविधा अनुसार टंकी या अन्य बर्तनों में पशुओं और मवेशियों के लिए भी पानी रखने का आवाहन किया। उन्होंने कहा यह हमारी पर्यावरण और जीवों के प्रति नैतिक जिम्मेदारी बनती है, उपस्थित प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे इस कार्य को कॉलेज और महाविद्यालय में निरंतर जारी रखेंगे ताकि जीवो को पानी की कमी और गर्मी से बचाया जा सके। इस सकोरा अभियान में डॉ एस सी हर्ने,डॉ हंसा व्यास, डॉ कमल चौबे,डॉ संजय चौधरी, डॉ कमल वाधवा, डॉ मीना कीर तथा अमन गौर, पुलकित दुबे, आशीष, अर्जुन यादव, प्रियंका समेत अनेक विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

बदलते मौसम में खान-पान का रखें ध्यान लू से बचें और गर्मियों में बाहर घूमने जाएं तो रखें ध्यान

सीहोर। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आमजनों को सलाह दी है कि वे बदलते मौसम में खान-पान का रखें ध्यान ताकि बीमारियां न करें परेशान ताजा और हल्का भोजन ही खाएं, जंक फूड खाने से बचें, पानी अधिक मात्रा में पिएं, फलों का सेवन करें, चाय, कॉफी, गैस वाले पेय पदार्थों का सेवन नहीं करें, गर्मियों में रखें अपना ध्यान ताकि बीमारियां न करें परेशान, धूप और अधिक तापमान की वजह से होने वाली सामान्य परेशानियां जेसे गर्म लाल और सूखी त्वचा, मतली या उल्टी, तेज सिर दर्द, मांसपेशियों में कमजोरी या ऐठन, सांस फूलना, धड़कन तेज होना, घबराहट, लू से बचें गर्मियों में बाहर घूमने जाएं तो अपना विशेष ध्यान रखें, पीने का पानी,जुस साथ रखें और हाइड्रेटेड रहें, पतले, ढीले सूती वस्त्र पहनें, अपने सिर को छाते/टोपी/तौलिया आदि से ढक लें, ताकि धूप के सीधे संपर्क में आने से बचा जा सके, नंगे पांव बाहर ना निकलें, अपना ध्यान रखें लू से बचें लू लगने के कारण होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है यदि आप या कोई भी अन्य व्यक्ति लू के कारण होने वाले तनाव के लक्षणों का अनुभव करता है, तो तत्काल चिकित्सक से संपर्क करें।

निजी विद्यालयों को फीस व अन्य जानकारियां 8 जून तक पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

निजी विद्यालयों द्वारा प्रस्तावित फीस संरचना की जानकारी नियत समय-सीमा में प्रस्तुत न करने की स्थिति में जिला समिति उक्त निजी विद्यालय पर ऐसा दण्ड अधिरोपित कर सकेगी । उप सचिव स्कूल शिक्षा विभाग मंजूषा विक्रांत राय ने तदाशय की जानकारी देते हुए कलेक्टर्स, संभागीय संयुक्त संचालक एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने को कहा है।

उन्होने बताया है कि मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पोर्टल पर फीस संरचना अपलोड करने के लिए प्रक्रिया फीस निर्धारित की गई है। इसके अनुसार प्रदेश के निजी विद्यालय (फीस तथा संबंधित विषयों का विनियमन) नियम 2020 के नियम-3 के उप नियम-4 के अनुक्रम के अनुसार नियत समय सीमा में प्रस्तावित फीस संरचना की जानकारी पोर्टल पर अपलोड न करने की स्थिति में प्रक्रिया फीस के साथ साथ प्रक्रिया फीस की पांच गुना राशि विलंब के लिए वसूल की जाएगी। इसके अनुसार ऐसे विद्यालय जिनमें छात्र संख्या दो हजार से अधिक है उन्हें प्रक्रिया शुल्क 5 हजार रूपए निर्धारित है, यदि निर्धारित समयावधि में जानकारी अपलोड नही की जाती है तो उनके विरूद्ध 25 हजार रूपए का अर्थदंड अर्थात पांच गुना अर्थदंड अधिरोपित किया जाएगा। इसी तरह से ऐसे निजी विद्यालय जिनमें 1001 से 2000 तक छात्र है उनके लिए प्रक्रिया शुल्क 3 हजार रूपए निर्धारित है, यदि निर्धारित समयावधि में जानकारी अपलोड नही की जाती है तो उनके विरूद्ध 15 हजार रूपए का अर्थदंड अधिरोपित किया जाएगा। इसी तरह से ऐसे निजी विद्यालय जिनमें 501 से 1000 तक छात्र है उनके लिए प्रक्रिया शुल्क 2 हजार रूपए निर्धारित है यदि निर्धारित समयावधि में जानकारी अपलोड नही की जाती है तो उनके विरूद्ध 10 हजार रूपए का अर्थदंड अधिरोपित किया जाएगा।

मेट्रो एंकर

संगम स्थल बांद्राभान को पर्यटन स्थल बनाने हुई डी.ए.टी.सी.सी.की बैठक

पर्यटकों को मिले अलौकिक अनुभव और सुविधा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो।

संगम स्थल बांद्राभान को पर्यटन स्थल बनाने को लेकर हुई डी.ए.टी.सी.सी.की बैठक जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नर्मदापुरम सौजान सिंह रावत की अध्यक्षता गत दिन जिला पंचायत के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में श्री रावत ने बताया कि नर्मदापुरम जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों को किया जा रहा है, इसी तारतम्य में गतदिन कलेक्टर द्वारा जिले के बांद्राभान स्थल पर दौरा किया गया था एवं उस स्थान की जानकारी ली गई यह स्थान पर्यटकों के लिए ओर पर्यटन की दृष्टि से कलेक्टर सोनिया मीना को ठीक लगी उनके द्वारा सम्बन्धी अधिकारियों को प्रपोजल हेतु निर्देश दिये गए.श्री रावत ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों से उनके क्षेत्र में संभावित डेस्टिनेशन पर्यटन के संबंध में उनके विचार जाने। उनसे पर्यटन के बारे में जानकारी भी ली गई जिसमे बांद्राभान को नए पर्यटन के लिए सभी के मत अनुसार चुना गया । पर्यटन की दृष्टि से पर्यटकों के लिए यह स्थल सम्पूर्ण पर्यटन स्थल साबित होगा इस स्थल पर पर्यटकों को एक ही जगह सारी गतिविधियों का लाभ मिल सकेगा । यह जगह गोवा, बॉम्बे, केरल के बीच से भी कम नही, पर्यटन को बढ़ावा देने यहां हर प्रकार की गतिविधियों को किया जा सकेगा, साथ ही नजदीकी ग्राम में होमस्टे भी बनाये जा सकते है। जिससे ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा एवं ग्रामो का होगा विकास । साथ ही नजदीकी पर्यटन स्थलों को भी इससे जोड़ा जाएगा । बांद्राभान पर्यटन स्थल से पर्यटकों को मिलेंगे नजदीक में ही अन्य पर्यटन स्थल, जहां तक पर्यटक अपनी पसंद से आसानी से पहुंच सकते है यह स्थान धार्मिक स्थलों मे से भी एक है यहां हमेशा पर्यटकों श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है । बैठक में निर्णय लिया गया कि जल्द ही प्रपोजल बनाकर मध्यप्रदेश पर्यटन को भेजा जाएगा ।

बैठक में चर्चा के दौरान बताया गया कि नर्मदापुरम जिले में पर्यटन को लेकर अपार संभावनाएं है जिले में कई ऐसे सुंदर और रमणीक स्थान है जो अब भी अनछुए से है जिनकी अपनी कोई पहचान नही है नए स्थलों को पहचान दिलाने ओर उस क्षेत्र का विकास करने के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन और जिला प्रशासन सतत कार्यरत है। श्री रावत द्वारा जिलेवासियों से भी अपील की सभी अपने अपने क्षेत्र में जो भी विशेष स्थान हैं जिनपर पर्यटकों को पहुंचाया जा सकता है या कोई प्रसिद्धि लिए हुए हो ऐसे स्थानो की जानकारी अपने क्षेत्र के सम्बंधित अधिकारी को पहुंचाए ओर उस स्थान को विकसित करवाकर उस क्षेत्र में रोजगार और व्यवसाय बढ़ाये ।

बैठक में नर्मदापुरम जनपद सीईओ हेमंत सूत्रकार, बाबई जनपद एसीईओ सतीशचंद्र अग्रवाल , केसला जनपद सीईओ रंजीत सिंह ,सोहागपुर जनपद सीईओ एस के अग्रवाल ,, परियोजना अधिकारी योगेन्द्र राय, पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर, डी पी सी राजेश जायसवाल,आपदा प्रबंधन प्लाटून कमांडर अमृता दीक्षित , जिला खेल अधिकारी उमा पटेल, जिला उद्यानिकी अधिकारी रीता उइके ,महेंद्र पचलानिया ,बीएओ नीरज उइके एवं अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह की सुनाई कथा

सिरोंज। ग्राम पंचायत पथरिया में काली माता मंदिर परिसर में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन रात्रि में वृंदावन धाम के कथावाचक बाल बिहारी भृगुदास जी महाराज ने कथा का रसपान कराया। व्यासपीठ से कहा कि सर्वेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रज में अनेकानेक बाल लीलाएं कीं, जो वात्सल्य भाव के उपासकों के चित्त को अनायास ही आकर्षित करती हैं। जो भक्तों के पापों का हरण कर लेते हैं, वही हरि हैं। कथा व्यास ने कहा कि नंदालय में गोपियों का तांता लगा रहता है। हर गोपी भगवान से प्रार्थना करती है कि किसी न किसी बहाने कन्हैया मेरे घर पधारें। जिसकी भगवान के चरणों में प्रगाढ़ प्रीति है, वही जीवन्मुक्त है। एक बार माखन चोरी करते समय मैया यशोदा आ गईं तो कन्हैया ने कहा कि मैया तुमने इतने मणिमय आभूषण पहना दिए हैं, जिससे मेरे हाथ गर्म हो गए हैं तो माखन की हांडी में हाथ डालकर इन हाथों को शीतलता प्रदान कर रहा हूं। वही भागवत कथा व्यास भृगुदास महाराज ने पंच अध्याय का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि महारास में पांच अध्याय हैं। उनमें गाये जाने वाले पंच गीत, भागवत के पंच प्राण हैं, जो भी ठाकुरजी के इन पांच गीतों को भाव से गाता है। वह भव पार हो जाता है। उसे वृंदावन की भक्ति सहज प्राप्त हो जाती हैं। महाराज ने कथा में भगवान का मथुरा प्रस्थान, कंस वध, महर्षि संदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण करना, उद्धव-गोपी संवाद, द्वारका की स्थापना, रुक्मणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय भावपूर्ण पाठ किया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सभी को खूब आनंदित किया। कथा के दौरान भक्तिमय संगीत ने श्रोताओं को आनंद से परिपूर्ण किया। उन्होंने कहा कि जो भक्त प्रेमी कृष्ण रुक्मणी के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं उनकी वैवाहिक समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है। कथा के समापन पर हुआ भंडारा जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

शराब दुकानों की जांच करने पहुंचे एसडीएम एमआरपी से ज्यादा रेट पर बेची जा रही है शराब

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शुक्रवार को राजस्व विभाग तथा आबकारी विभाग के संयुक्त दल ने एसडीएम की अध्यक्षता में नगर में संचालित हो रही है शराब दुकानों का निरीक्षण किया। सुबह 11 बजे एसडीएम हर्षल चौधरी शहर में संचालित हो रही शराब दुकानों का जायजा लेने पहुंचे शराब ठेकेदार के अमले के द्वारा मनमाने दामों पर शराब बेचने के साथ लगातार लापरवाही की रही है। शिकायतों के बाद 1 दिन के लिए दुकानें भी बंद हो चुकी है जुर्माना भी लग चुका है, फिर भी बदलाव नहीं हो रहा था इसके बाद कलेक्टर के निर्देश पर सभी शराब दुकानों की जांच के लिए एसडीएम की अध्यक्षता में संयुक्त टीम गठित की गई थी। जिसमें आबकारी विभाग तथा राजस्व बिभाग को मिलाकर बनाई गई थी। एसडीम लिंक रोड पर संचारित होने वाली शराब दुकान का निरीक्षण करने पहुंचे तो यहां पर उन्हें एमआरपी से अधिक दामों पर शराब बिक्री होने की शिकायत मिली इंफेक्शन रजिस्टर भी नहीं था रेट लिस्ट भी नहीं थी एक्सपायरी डेट का भी कोई प्लान नहीं मिला शासन के द्वारा निर्धारित की गई गाइडलाइन का पालन भी नहीं हो रहा है ।अधिक दामों पर शराब देखने का काम शराब ठेकेदार के द्वारा शराब दुकानों के माध्यम से करवाया जा रहा है। उन्होंने सभी बिंदुओं की जांच के बाद जांच प्रतिदिन बनाकर जिला कलेक्टर को भेजा जाएगा है। इन पर कार्रवाई आबकारी विभाग के द्वारा की जाएगी साथ ही बाजार में संचालित होने वाली अन्य दुकानों की भी जांच की इसमें आबकारी विभाग के साथ नायब तहसीलदार पूरे समय मौजूद रहे सुबह से लेकर शाम तक संयुक्त टीम की कार्रवाई होती रही कार्रवाई की सूचना होने से एक दिन पहले से ही पुलिस ने शराब दुकानों के बाहर शराब पीने वालों को डंडे मार कर भगाया था साथ ही शराब बेचने वालों को सख्त निर्देश दिए थे कि शराब दुकान के बाहर कोई भी व्यक्ति खुले में बैठकर शराब नहीं पिएगा साथ ही हमेशा यहां पर गंदी रहती थी पर जांच के कारण साफ-सफाई देखने को मिली।

इनका कहना है -

शराब दुकानों की जांच की गई है हमें एमआरपी से अधिक दामों पर शराब बेचने की शिकायत है के साथ और भी लापरवाहियां मिली है। जांच प्रतिवेदन बनाकर कलेक्टर महोदय को भेजा जाएगा आबकारी विभाग के द्वारा इसमें आगे कार्रवाई की जाएगी

हर्षल चौधरी, एसडीएम ।

मुगलसराय पुलिस ने पकड़ी 7 पेटी अवैध शराब, आरोपी ने झाड़ियां में छुपाकर रखी थी

सिरोंज। नगर से लेकर ग्रामीण अंचलों में अवैध शराब बेचने का कारोबार जोर-शोर से किया इसके अलावा चरस गांजा अफीम की बिक्री भी की जा रही है । अवैध रूप से नशें का विक्रय करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए पुलिस अधीक्षक , एएसपी के द्वारा निर्देश दिए गए हैं। तथा एसडीओपी उमेश कुमार तिवारी के निर्देशन में

मुगलसराय पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने वाले आरोपी हरगोविन्द पिता रामप्रसाद कुशवाह उम्र 30 साल निवासी ग्राम धमऊखेडी से 312 क्वार्टर देशी मदिरा मसाला शराब बाजार मूल्य कीमत 37500 रुपये की जप्त की है। थाना प्रभारी मुगलसराय उप.निरी.लखन कुमार साहू बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम के साथ मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर पहुंचकर व्यक्ति के घर के पीछे खेडे को चौक किया तो खेडे में झाडियो में छिपाकर रखी 07 पेटी शराब जिसमें 312 क्वार्टर देशी मदिरा मसाला के थे मिले इसके बाद विधिवत कार्यवाही कर आरोपी हरगोविन्द कुशवाह उम्र 30 साल निवासी ग्राम धमऊखेडी को गिरफ्तार करके आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कराकर न्यायालय में पेश किया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू सेवन नहीं करने की नगर पालिका कर्मचारियों ने ली शपथ

सिरोंज। नगरपालिका परिषद हाल में विश्व तंबाकू निषेध दिवस जागरूकता कार्यक्रम में नगर पालिका में तंबाकू का सेवन नहीं करूंगा की शपथ नगरपालिका कर्मचारी ज्योति दुबे ने समस्त कर्मचारी को दिलाई जिसमें नगरपालिका के सभी कर्मचारी मोजूद थे एवं हाफिज याकूब बस स्टैंड नगर के मार्केट में जा जाकर तंबाकू नहीं खाने के लिए शपथ दिलाई गई जिसे नगर पालिका से अरविंद नेमा संतोष सहरिया एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

ऑडियो वायरल होने के बाद झंडवा के अन्य किसानों ने भी की पटवारी की एसडीएम से शिकायत

भ्रष्टाचार पर नकेल: आरआई और पटवारी को एसडीएम ने थमाया नोटिस, मांगा जवाब

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

सीमांकन के बदले में पैसे मांगने का गुरुवार को ऑडियो इंटरनेट मीडिया वायरल हुआ था। जिसका पूरा मामला हमारे संवादाता ने गुरुवार के अंक में प्रमुखता से उठाया था। खबर तथा वायरल ऑडियो को संज्ञान में लेकर एसडीएम हर्षल चौधरी ने कार्रवाई करते हुए राजस्व निरीक्षक और पटवारी को नोटिस जारी किया है। ज्ञात हो कि शुक्रवार को सीमांकन के बदले किसानों से खुलेआम की जा रही लूटा, मांगे 40000 बीस हजार से हुआ सौदा शीर्षक के साथ खबर का प्रकाशन किया था खबर को संज्ञान में लेकर राजस्व अधिकारियों ने आनन फानन राजस्व निरीक्षक और पटवारी को नोटिस जारी करते हुए 3 दिन में जवाब मांगा है। वही पटवारी और आरआइ पर कार्रवाई को देखते हुए ग्रामीणों में भी भरोसे की आस जागी जग आई है, यही कारण है कि अब गांव के अन्य किसान भी इन लोगों की शिकायत करने के लिए शुक्रवार को तहसील कार्यालय पहुंचे थे। जिसमें झंडवा की ही कृषक मीराबाई ने एसडीएम से शिकायत करते हुए कहा कि मैने सर्वे नंबर 251/2 हल्का नंबर 50 एवं रकवा 1.024 का सीमांकन करवाने के लिए चालन भरकर तहसील में आवेदन किया था। इसके वाद भी पटवारी साहब ने सीमांकन नहीं किया। वहीं उन्होंने बताया कि नायब तहसीलदार साहब ने 16 अप्रैल को आदेश जारी कर 15 दिवस के अंदर सीमांकन करने का आदेश दिया था। डेढ़ महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी आज तक पटवारी शुभम पटेल ने मेरा सीमांकन नहीं किया जब भी जाती हूं पैसे की मांग करता है। जबकि मैं महिला कृषक हूं, बार-बार परेशान हो रही हूं इसके बाद भी यह लोग ध्यान नहीं दे रहे हैं। मीराबाई ने मांग की है कि ऐसे कर्मचारी पर कार्यवाही की जाए और मेरी भूमि का सीमांकन अतिशीघ्र कराया जाए। वही आरआइ और पटवारी पर कार्रवाई कराने वाले झंडवा के किसान भूपेंद्र सिंह दांगी ने भी शुक्रवार को एसडीएम हर्षल चौधरी को आवेदन देते हुए कहा कि हल्का नं. 50 एवं रकवा 193,736,777,778 का सीमांकन करवाने हेतु चालान भरकर सीमांकन करवाने का आवेदन राजस्व निरीक्षक को दिया था। उन्होंने मुझे पटवारी साहब के पास भेज दिया। जब मैं पटवारी साहब के पास पहुंचा तो पटवारी साहब ने मुझसे सीधे 40 हजार रुपए मांगे। इतने रुपए मेरे पास नहीं थे इसलिए मैं उस समय घर चला गया। वही बाद में जब मैने उन्हें फोन लगाया तो उन्होंने फोन पर भी मुझे 40 हजार रुपए की मांग की। जिसका ऑडियो भी वायरल हो रहा है। ऑडियो सही है मैने पटवारी शिवम पटेल से फोन पर बात की है जहां सीमांकन के बदले पैसा लेने की बात हुई है। वही किसान ने अतिशीघ्र सीमांकन कराकर ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के बाद एसडीएम ने उठाया कदम होगी कार्रवाई

एसडीएम हर्षल चौधरी ने राजस्व निरीक्षक अमित गुप्ता एवं पटवारी शुभम पटेल को कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए लिखा है कि शिकायतकर्ता भूपेन्द्र दांगी ग्राम झण्डवा तहसील सिरोंज द्वारा आपके विरूद्ध शिकायत पत्र पेश किया गया है जिसमें 25 बीगा भूमि का सीमांकन किए जाने हेतु आपके द्वारा आवेदक से अवैध रूप से 20 हजार रुपए की मांग की जा रही है, साथ ही आपके द्वारा पैसे की मांग करने संबंधित व्हाट्सएप ऐप पर एक ऑडियों वायरल हो रहा है जिससे शासन और राजस्व की छवि धूमिल हो रही है इससे यह प्रतीत होता है कि आप अपने दायित्वों व शासकीय कार्य के प्रति सनिष्ठ तथा कर्तव्यपरायण नहीं है किन्तु आपके द्वारा आदेशों निर्देशों की अवहेलना कर स्वच्छारितापूर्वक कार्य किया जा रहा है जो कि खेदजनक है। आपका उक्त कृत्य मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 नियम 3 की कण्डिका (1) (2) एंव (3) का स्पष्ट उल्लंघन होकर अपने पदेन कर्तव्यों के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता का घोतक होने से मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 में निहित प्रावधान अंतर्गत दण्डनीय है। वही आडियों एवं प्राप्त शिकायत के आधार पर आप दोनों शासकीय पद पर पदीय कर्तव्यों का विधि विरूद्ध लाभ प्राप्त कर, राजस्व विभाग की छवि को धूमिल किये जाने के कृत्य पर, क्यों न आपके विरूद्ध कार्यवाही करते हुये आपकी सेवा पुस्तिका में लाल स्याही से कार्यवाही का विवरण दर्ज किया जाए।

इनका कहना है -

वायरल ऑडियो और खबरों को संज्ञान में लेते हुए आरआइ और पटवारी को नोटिस जारी करते हुए तीन दिवस में जवाब मांगा है, संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

हर्षल चौधरी, एसडीएम

घूमधाम से मनाई देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती, निकली गई वाहन रैली

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

शुक्रवार को नगर में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 299 जयंती उत्साह से मनाई गई । पाल गडरिया समाज ने दो पहिया वाहन निकाली जिसका कई जगह विभिन्न समंजन और समाज सेवी संगठनों ने स्वागत भी किया। वाहन रैली छतरी नाका से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार से होते हुए नवीन बस स्टैंड पहुंचकर नुक्कड़ सभा हुई। जिसको संबोधित करते हुए युवा भाजपा नेता गोलू गडरिया ने देवी अहिल्याबाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अहिल्याबाई जी अपना पूरा जीवन देश और समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया था आज हम सबको उनके बताएं रास्ते पर चलकर समाज को शिक्षित बनाकर मुख्य धारा में जोड़ने की आवश्यकता है सभी लोगों को मिलकर यह काम करना होगा नगर में खाली पड़े चौराहे पर देवी अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति स्थापना होनी चाहिए उसके लिए भी सभी लोग मिलकर शासन एवं प्रशासन से मांग रखेंगे एवं शासन से मांग है कि भारत में देवी अहिल्याबाई होलकर जयंती के दिन अवकाश की घोषणा होना चाहिए इस दौरान केदार पाल, नीतेश पाल अजय बघेल, ब्लाक अध्यक्ष वीर सिंह पाल ,सरदार पाल, जीवन पाल,सचिन पाल,हरि सिंह पाल शायद बड़ी संख्या में समाज जन मौजूद थे।

मेट्रो एंकर **मानव जीवन की सुरक्षा को देखते हुए कलेक्टर वैद्य ने जारी किया सख्त आदेश**

बंगला घाट पर मत्स्य आखेट, भ्रमण, स्नान व तैरने पर प्रतिबंध

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट बुद्धेश कुमार वैद्य ने दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के अंतर्गत मानव जीवन की सुरक्षा एवं जन सामान्य के हित को दृष्टिगत रखते हुए बंगला घाट (बेतवा नदी) तथा उसके आसपास की 100 मीटर के क्षेत्र को मत्स्य आखेट, भ्रमण, स्नान तथा तैरने हेतु प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित करने का आदेश जारी कर दिया है।

कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में उल्लेख है कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी विदिशा बंगला घाट (बेतवा नदी) विदिशा पर प्रतिबंधित क्षेत्र संबंधी सूचना बोर्ड लगवाये जाने की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। जिला सेनानी होमगार्ड, विदिशा बंगला घाट (बेतवा नदी) विदिशा पर सुरक्षा के दृष्टिगत सैनिकों की ड्यूटी लगाया जाना सुनिश्चित करेंगे।

थाना प्रभारी, आरक्षित केंद्र कोतवाली विदिशा उक्त क्षेत्र में आकस्मात पुलिस पेट्रोलिंग किया जाना सुनिश्चित करेंगे। यह आदेश आगामी दो माह की अवधि तक प्रभावशील रहेगा। जारी आदेश में उल्लेख है कि अनुविभागीय दंडाधिकारी, विदिशा द्वारा अपने प्रतिवेदन में प्रतिवेदन किया है कि सोशल मीडिया के प्लेटफार्म फेसबुक, इंस्टाग्राम पोस्टों से ज्ञात हुआ है कि बंगला घाट बेतवा नदी पर प्रत्येक दिन अत्यधिक संख्या में आमजन एवं बच्चे नहाने पहुंच रहे हैं, जबकि बंगला घाट पर बेतवा नदी में अत्यधिक गहराई होने के

साथ ही बंगला घाट में बेतवा नदी पर खतरनाक जानवरों की उपस्थिति की सूचना भी कई बार प्राप्त हुई है। उक्त परिस्थितियों में उक्त क्षेत्र में आमजन एवं बच्चों का नहाना किसी भी खतरे से कम नहीं है तथा नहाने के दौरान कभी भी कोई अपनी घटना घटित हो सकती है। अतः बंगला घाट को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाना अनुविभागीय दंडाधिकारी विदिशा द्वारा प्रस्तावित किया गया है।

बंगला घाट पर एसडीईआरएफ सैनिक तैनात

कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य के द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में बंगला घाट पर जन सामान्य की सुरक्षा की दृष्टि से 2 शिफ्टों में आठ होमगार्ड सैनिकों को आपदा राहत उपकरणों के साथ तैनात किया गया है। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड, विदिशा ने बताया कि बेतवा नदी के बंगला घाट दुर्घटना की दृष्टि से अति संवेदनशील घाट है। वर्तमान में कई रहवासी उक्त घाट पर तैराकी एवं स्नान हेतु पहुंच रहे हैं। अतः सुरक्षा की दृष्टि से एसडीईआरएफ जवानों को आपदा राहत उपकरणों के साथ तैनात कर निर्देशित किया गया है कि ड्यूटी स्थल पर सतर्कता के साथ सौंपे दायित्वों का संपादन करेंगे तथा अपने रिलीवर के ड्यूटी स्थल पर पहुंचने पर ही ड्यूटी स्थल छोड़ेंगे। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड, विदिशा ने बताया कि बंगला घाट पर दो शिफ्टों में 8 एसडीईआरएफ सैनिकों की ड्यूटी लगाई गई है। जिनमें प्रातः 5 बजे से दोपहर एक बजे तक के लिए एसडीईआरएफ सैनिक श्री हिम्मत सिंह, श्री प्रेम नारायण, श्री पुष्पराज सिंह एवं श्री अभिषेक यादव के अलावा दोपहर एक बजे से सांय सात बजे तक के लिए एसडीईआरएफ जवान श्री शालिकराम तिवारी, श्री सुधीर, श्री राजेश नामदेव तथा श्री राजेंद्र दांगी आपदा राहत उपकरण एक मोटर वोट कंप्लीट, 5 लाइफ जैकेट, 4 लाइफ बाय और 4 रस्सा के साथ ड्यूटी पर तैनात रहेंगे।

मिलावट से मुक्ति अभियान तहत सैंपल लेने की कार्यवाही जारी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

कलेक्टर के द्वारा मिलावट से मुक्ति अभियान तहत जिले में संचालित खाद्य प्रतिष्ठानों में विक्रय होने वाले खाद्य पदार्थों की जांच परीक्षण करने हेतु दिए गए निर्देशों के परिपालन में जांच कार्य सतत जारी है।

प्राप्त निर्देशों के परिपालन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम के द्वारा आज न्यू शिव लस्सी सिविल लाइन राजीव नगर विदिशा एवं महाकाल प्रोटीन सुरक्षा होटल जिला विदिशा, आराध्या जूस सेंटर माधवगंज विदिशा, मानक की लस्सी, चक्रवर्ती ट्रेडर्स, आदि दुकानों का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमति एडलिन ई पन्ना ने खाद्य कारोबारकर्ताओं को खाद्य सामग्री ढंककर रखने , फलों को अच्छे से धोने तथा ताजी लस्सी बना कर विक्रय करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही खाद्य सामग्री में मिलावट ना करने की हिदायत दी गई है। खाद्य कारोबारकर्ता को खाद्य लाइसेंस लेना अनिवार्य है, बिना खाद्य लाइसेंस कोई भी दुकानदार खाद्य कारोबार नहीं कर सकता है की जानकारी भी इस दौरान दी गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमति एडलिन ई पन्ना के द्वारा न्यू शिव लस्सी सिविल लाइन राजीव नगर विदिशा से खाद्य पदार्थ लस्सी, मेंगो शेक एवं महाकाल प्रोटीन सुरक्षा होटल जिला विदिशा से खाद्य पदार्थ पीनट बटर, तथा रोल्ड ओट्स के सैंपल एकत्रित किए गए। एकत्रित किए गए खाद्य सैंपल को जांच परीक्षण के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है।

भारत के खिलाफ उतरेंगे भारतीय मूल के तहसीन

11 जून से वर्ल्ड कप क्वालीफायर फुटबॉल मुकाबले होंगे

कोच्चि, एजेंसी

भारत के खिलाफ 11 जून को खेले जाने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर फुटबॉल मुकाबले के लिए कतर की राष्ट्रीय टीम में 17 वर्षीय तहसीन मोहम्मद जमशेद को जगह दी गई है। खास बात यह है कि तहसीन भारतीय मूल के हैं और उनके माता-पिता कन्नूर के रहने वाले हैं। इस तरह तहसीन कतर टीम में जगह बनाने वाले भारतीय मूल के पहले खिलाड़ी बन गए हैं और अब भारत के खिलाफ उतरेंगे।

कतर में हुआ था जन्म : तहसीन के माता-पिता कई सालों पहले नौकरी के लिए कतर चले गए थे। वहीं, तहसीन का जन्म हुआ।

सिंगापुर ओपन बैडमिंटन: अंतिम-16 में मात

मारिन से पार नहीं पा सकीं सिंधू, 12वीं शिकस्त मिली

सिंगापुर, एजेंसी

भारत की दिग्गज महिला शटलर पीवी सिंधू को सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के अंतिम-16 में गुरुवार को हार मिली। स्पेन की कैरोलिना मारिन ने सिंधू को एक घंटे आठ मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-13, 11-20, 20-22 से मात दी। सिंधू का मारिन के खिलाफ खराब रेकॉर्ड है और उन्हें 17 मैचों में 12वीं हार का सामना करना पड़ा है।

परफेक्ट कॉम्बिनेशन की तलाश में इंडिया; यशस्वी-अर्शदीप के सामने चुनौती

टी-20 वर्ल्ड कप: आज बांग्लादेश और भारत का वॉर्मअप मैच होगा

नईदिल्ली, एजेंसी

इंडिया और बांग्लादेश की टीमें आज न्यूयॉर्क के कैंटी के पार्क पर वॉर्मअप मैच खेलने उतरेंगी। जो नसाऊ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम से 7 किमी दूर है। टी-20 वर्ल्ड कप के आगाज से पहले यह आखिरी वॉर्मअप मैच है। विराट कोहली न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं, लेकिन यह वॉर्मअप मैच नहीं खेलेंगे। 15 खिलाड़ियों की स्क्वॉड में इंडिया के बेहतरीन टी-20 प्लेयर्स शामिल हैं, जो अभी-अभी हाईवोल्टेज आईपीएल खेल चुके हैं। टीम के कोच, कप्तान और मैनेजमेंट को सही कॉम्बिनेशन की तलाश रहेगी। जिसके लिए ये वॉर्मअप मैच बड़ा मौका है। कुछ इंडियन प्लेयर्स के लिए ये वॉर्मअप मैच एक मंच है, जहां वे अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस देकर टीम में जगह पक्की कर सकते हैं। बांग्लादेश के सामने चुनौती अपना कॉन्फिडेंस बढ़ाने की है, क्योंकि भारत से पिछले 5 टी-20 इंटरनेशनल मैच में से वो 4 हारी है। इनमें 2022 टी-20 वर्ल्ड कप का मैच भी शामिल है। इस मैच में बांग्लादेश 30 रन से हारी थी। विराट की 64 रन की पारी के चलते बांग्लादेश को 185 रन का टारगेट मिला था। अर्शदीप और हार्दिक ने 2-2 विकेट लेकर बांग्लादेशी टीम को 145 रन पर रोक दिया था।

पिछली भिड़ंत: भारत और बांग्लादेश की पिछली भिड़ंत एशियन गेम्स-2022 के सेमीफाइनल मुकाबले में हुई थी। होंगझोऊ में भारतीय टीम ने 9 विकेट की जीत हासिल की थी। टीम इंडिया ने 97 रन का टारगेट 9.2 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया था। रन चेज में शून्य पर यशस्वी का विकेट गंवाने के बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड और तिलक वर्मा ने 97 रनों की अविजित साझेदारी करके टीम को जीत दिलाई। गायकवाड ने 40 और तिलक वर्मा ने 55 रन की नाबाद पारी खेली थी।

रोहित शर्मा- 39 टी-20 वर्ल्ड कप मैच खेल चुके रोहित शर्मा ने 963 रन बनाए हैं। उनका हाईएस्ट स्कोर 79 हैं। उन्होंने 9 फिफ्टी लगाई हैं।

यशस्वी जायसवाल- यशस्वी ने 16 मैचों में 435 रन बनाए हैं। इनमें से 1 शतक और 1 फिफ्टी है। लेकिन उनके जैसे प्लेयर के लिए ये आंकड़ा संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है। वे 14 बार आउट हुए। यशस्वी भी वॉर्मअप मैच में अच्छा प्रदर्शन कर टीम में जगह पक्की करना चाहेंगे।

मोहम्मद सिराज- जसप्रीत बुमराह के साथी की तलाश वॉर्मअप मैच में की जाएगी। सिराज अपनी परफॉर्मेंस पर फोकस करेंगे ताकि जगह बना सकें। सिराज 10 इंटरनेशनल टी-20 मैच खेले हैं और उनके 12 विकेट हैं।

नजमुल हुसैन शांतो- टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की ओर से 5 मैचों में 180 रन बना चुके हैं। वे हर तीसरे मुकाबले में फिफ्टी जमा रहे हैं। शांतो का स्ट्राइक रेट 114.64 का रहा है।

महमुदुल्लाह- टी-20 वर्ल्ड कप में 30 मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 110.67 के स्ट्राइक रेट से 363 रन बनाए हैं। वे एक फिफ्टी जमा चुके हैं। वे 38 साल की उम्र पूरी कर चुके हैं। ऐसे में उनकी फिटनेस और रिफ्लेक्सेस पर भी नजरें होंगी।

मुस्तफिजुर रहमान- टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के सेकंड टॉप विकेटटेकर हैं। वे 15 मैचों में 20 विकेट झटक चुके हैं।

मैच की अहमियत- कंडीशन्स और कॉम्बिनेश के लिहाज से अहम होगा

बांग्लादेश के खिलाफ भारत का वॉर्मअप मुकाबला यहां की कंडीशन्स से खिलाड़ियों के लिए फैमलियर होने के लिहाज से अहम होगा। साथ ही भारतीय टीम अपना बेस्ट कॉम्बिनेशन भी तलाशेगी, क्योंकि टीम इंडिया को मुख्य मैदान की कंडीशन देखने को नहीं मिली है। टीम की प्रैक्टिस कैंटी के पार्क पर हुई है और यहीं टीम को पहला वार्मअप मैच भी होगा, जो न्यू यॉर्क के नसाऊ काउंटी क्रिकेट स्टेडियम से दूर है, हालांकि कप्तान रोहित शर्मा व कोच राहुल द्रविड़ एक-एक बार मैदान गए थे, लेकिन खिलाड़ी मुख्य मैदान की आउटफील्ड, पिच और डायमेंशन का परिचित नहीं है। ड्रॉप इन पिचों में उछाल ज्यादा है, ऐसे में भारतीय बैटर्स के अनुसार प्रैक्टिस करनी होगी। दोनों टीमों के बीच 13 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले गए। 12 मैच इंडिया ने जीते और 1 बांग्लादेश ने जीता।

दूसरे दौर में बाहर होने से बची इगा स्विटेक

पेरिस, एजेंसी

साल के दूसरे ग्रैंड स्लेम फ्रेंच ओपन में एक बड़ा उलटफेर होते-होते रह गया। दुनिया की नंबर एक महिला एकल खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन पोलैंड की इगा स्विटेक ने यदि तीसरे सेट में दो अंक ना बचाए होते, तो वह जापान की नाओमी ओसाका से हारकर दूसरे दौर में बाहर हो जातीं। इस मैच में स्विटेक कड़ा संघर्ष करने के बाद ओसाका को 7-6, 1-6, 7-5 से हराने में सफल रहीं। स्विटेक 16 मैचों में यहां अजेय हैं। उनसे आगे बेल्जियम की पूर्व खिलाड़ी जस्टिन हेनिन (24 जीत) हैं।

सबालेंका और रिबाकिना भी जीतीं- महिला एकल में दूसरी वरीय आर्यना सबालेंका ने जापान की मोयुका उचिजिमा के खिलाफ आसानी से 6-2, 6-2 से शिकस्त देकर तीसरे दौर में जगह बनाई। वहीं, चौथी वरीय यूक्रेन की एलिना रिबाकिना ने नीदरलैंड्स की अरांत्सा को भी 6-3, 6-4 से मात दी व तीसरे दौर में जगह पक्की कर ली। स्विटेक ने इस साल लगातार 14वीं जीत के साथ अपना अभियान जारी रखा। वहीं, लाल बजरी पर भी स्विटेक का रेकॉर्ड बेहद दमदार है। स्विटेक ने इस टूर्नामेंट में अब तक कुल 32 मुकाबले खेले हैं और 30 में जीत हासिल की है।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट: युवा ग्रैंडमास्टर ने पहली बार क्लासिकल मुकाबले में दी शिकस्त

प्रग्गनानंदा के आगे पस्त हुए नंबर-1 मैग्नस कार्लसन

स्टवान्गर (नॉर्वे). एजेंसी

दूसरे राउंड में हारने वाले भारत के 19 वर्षीय युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रग्गनानंदा ने नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने मेजबान नॉर्वे के दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर सनसनी फैला दी। उन्होंने तीसरे राउंड में सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन को मात दी और इस दिग्गज खिलाड़ी के खिलाफ क्लासिकल मुकाबले में पहली बार जीत हासिल की। दोनों खिलाड़ियों के बीच इससे पहले खेले गए तीन क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ खेले गए थे।

तालिका में शीर्ष स्थान पर जगह बनाई: कार्लसन को शिकस्त देने के साथ ही प्रग्गनानंदा ने 5.5 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इस टूर्नामेंट में प्रग्गनानंदा ने अब तक कुल तीन मैच खेले हैं और एक हारा जबकि दो में जीत हासिल की है।

अब नाकामूरा से होगी भिड़ंत: टूर्नामेंट के चौथे राउंड में प्रग्गनानंदा की भिड़ंत अमरीकी खिलाड़ी हिकारू नाकामूरा से होगी, जिन्होंने तीसरे दौर में फ्रांस के खिलाड़ी अलीरेज फिरोजा को हराया। नाकामूरा अंक तालिका में तीसरे स्थान पर हैं।

करियर में दूसरी बार दी शिकस्त: प्रग्गनानंदा ने कार्लसन को अपने करियर में कुल दूसरी बार शिकस्त दी है। इससे पहले, भारतीय खिलाड़ी ने कार्लसन को कुछ समय पहले ही रैपिड गेम में हराया था।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

'दुश्मन हम ही थे अपने, औरों में कहां दम था', टीजर में दिखी अजय-तब्बू की जोड़ी

अजय देवगन और तब्बू की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'औरों में कहां दम था' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। निर्माताओं ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया था, जिसमें अजय देवगन की झलक नजर आई थी। वहीं, अब आखिरकार निर्माताओं ने प्रशंसकों का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म का टीजर भी जारी कर दिया है। टीजर में अजय देवगन और तब्बू की दमदार झलक देखने को मिली। पोस्टर जारी होने के बाद से ही दर्शक टीजर का इंतजार कर रहे थे। अब टीजर ने प्रशंसकों के उत्साह को बड़ा दिया है। अजय देवगन ने टीजर साझा करते हुए लिखा, 'दुश्मन थे हम ही अपने... औरों में कहां दम था, का टीजर आउट हो गया। सिनेमाघरों में 5 जुलाई, 2024 को।' वीडियो की शुरुआत अजय देवगन और तब्बू के होली के त्योहार के दौरान एक-दूसरे को गले लगाने से होती है। यह छोटा वीडियो दिल को छू लेने वाला रोमांटिक ड्रामा होने का वादा करता है। प्रशंसकों ने भी प्रतिक्रिया दी। टीजर में अजय होली खेलते हुए तब्बू के चेहरे पर रंग लगाते हुए नजर आ रहे हैं। इसके बाद एक एक्शन सीन भी दिखाया गया है। फिल्म का मुख्य आकर्षण इसका मूल साउंडट्रैक है जिसे ऑस्कर विजेता संगीत निर्देशक एमएम कीरवानी ने तैयार किया है। 'औरों में कहां दम था' में अजय देवगन और तब्बू मुख्य भूमिका में हैं। नीरज पांडे निर्देशित इस फिल्म के साथ दोनों दसवीं बार एक साथ काम कर रहे हैं। 'औरों में कहां दम था' फिल्म 23 साल की अवधि में फैली एक महाकाव्य संगीतमय रोमांटिक ड्रामा है। यह 2000 से 2023 के बीच सेट है। वहीं फिल्म के कलाकारों की बात करें तो अजय देवगन और तब्बू के अलावा 'औरों में कहां दम था' में जिमी शेरगिल, सई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगे। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म को शीतल भाटिया, नरेंद्र हीरावत और कुमार मंगत पाठक के पैनोरमा स्टूडियो द्वारा निर्मित किया गया है। वहीं अजय देवगन की आने वाली फिल्मों की बात करें तो अभिनेता की आखिरी फिल्म 'मैदान' थी। यह बायोग्राफिकल फिल्म भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कोच और मैनेजर सैयद अब्दुल रहीम के वास्तविक जीवन से प्रेरित थी, जिन्हें भारतीय फुटबॉल का आर्किटेक्ट भी माना जाता है। मैदान ने वैश्विक स्तर पर 71.52 करोड़ की कमाई की। वहीं अब अजय देवगन फिल्म निर्देशक और निर्माता रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' के निर्माण में भी व्यस्त हैं।

मेट्रो बाजार

आने वाले समय में खाद्य कीमतें बढ़ा सकती हैं जोखिम

मुंबई, एजेंसी

आरबीआई ने जारी सालाना रिपोर्ट में कहा, खाद्य कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति संबंधी दिक्कतों जैसे विभिन्न जोखिमों के बावजूद खुदरा महंगाई के चालू वित्त वर्ष में घटकर 4.5 फीसदी पर आने की उम्मीद है। इसके तय लक्ष्य के नजदीक बढ़ने से खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग मांग में तेजी आएगी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जिन्सों की कीमतों में उतार-चढ़ाव और अनिश्चित मौसमी घटनाक्रमों के बावजूद चालू वित्त वर्ष में महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, खाने-पीने की वस्तुओं और बेवरेजेज की बढ़ती कीमतों के कारण महंगाई पर जोखिम बना हुआ है। 2023-24 में कुल महंगाई बढ़ाने में खाद्य वस्तुओं और बेवरेजेज की हिस्सेदारी बढ़कर 60.3 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई, जो एक साल पहले 46 फीसदी थी। आरबीआई ने बृहस्पतिवार को जारी सालाना रिपोर्ट में कहा, खाद्य कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति संबंधी दिक्कतों जैसे विभिन्न जोखिमों के बावजूद खुदरा महंगाई के चालू वित्त वर्ष में घटकर 4.5 फीसदी पर आने की उम्मीद है। इसके तय लक्ष्य के नजदीक बढ़ने से खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग मांग में तेजी आएगी। खुदरा महंगाई अप्रैल, 2024 में घटकर 11 माह के निचले स्तर 4.83 फीसदी पर आ गई। यह आरबीआई के 2-6 फीसदी के तय दायरे में है। हालांकि, खाद्य महंगाई 8.52 फीसदी से बढ़कर 8.7 फीसदी पहुंच गई। 2023-24 के खरीफ और रबी दोनों मौसम में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) ने सभी फसलों के लिए उत्पादन लागत पर न्यूनतम 50 फीसदी लाभ सुनिश्चित किया।

खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में 5.3-10.4 फीसदी की वृद्धि की गई, जबकि रबी फसलों का एमएसपी 2.0-7.1 फीसदी बढ़ाया गया। खरीफ फसलों में मूंग के एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई। रबी फसलों में मसूर और गेहूं के एमएसपी में सर्वाधिक बढ़ोतरी हुई।

31 मार्च, 2024 तक खाद्यान्नों का समग्र सार्वजनिक भंडारण कुल तिमाही भंडारण मानक का 2.9 गुना था। डिजिटल धोखाधड़ी 708.73 फीसदी बढ़ी है।

जान्हवी ने चोट को नकली बताने वाले ट्रोलर को लताड़ा

जान्हवी कपूर और राजकुमार राव की फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' आज आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। शुरुआती तौर पर फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के लिए जान्हवी कपूर ने काफी मेहनत की है, जिसकी झलक उन्होंने फैंस के साथ भी साझा की थी। वहीं इस बीच अब अभिनेत्री का एक कमेंट वायरल हो रहा है। दरअसल, एक सोशल मीडिया यूजर ने उनकी चोटों का मजाक उडाया, जिसके बाद अभिनेत्री ने भी जमकर उस यूजर को लताड़ लगाई। जान्हवी कपूर ने मिस्टर एंड मिसेज माही की शूटिंग के दौरान लगी चोटों का मजाक उड़ाने वाले एक ट्रोल की खिंचाई की। अभिनेत्री इस फिल्म में क्रिकेटर की भूमिका निभा रही हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में उन्होंने एक बिहाइंड द सीन वीडियो साझा किया था, जिसमें वह अपनी चोटों के बावजूद प्रैक्टिस करती नजर आ रही थीं। कंधों पर पट्टियां बांधे जान्हवी ने नेट्स में टेनिस बॉल से प्रैक्टिस की। वीडियो पर टिप्पणी करते हुए एक ट्रोल ने गेंदों को देखा और उन्हें टेनिस बॉल से चोटिल होने के लिए बुरा-भला कहा। ट्रोल ने जान्हवी का मजाक उड़ाते हुए टिप्पणी की, टेनिस बॉल में चोट लगने लगी।

मलाइका-अर्जुन कपूर का हुआ ब्रेकअप लंबे वक्त तक डेटिंग के बाद जुदा हुई राहें!

मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर कई सालों से एक लंबे और खूबसूरत रिश्ते में थे, जिसने सभी का सम्मान और प्यार जीता। वे इस बात की मिसाल बन गए कि कैसे प्यार सभी मुश्किलों के बावजूद खड़ा हो सकता है और लोगों का दिल जीत सकता है। हालांकि, अब खबर आ रही है कि दोनों ने सम्मानपूर्वक अपना रिश्ता खत्म कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस कपल ने अलग होने का फैसला किया है। मानें तो उनके रिश्ते ने अपनी राह तय कर ली है और वे इस स्थिति से बेहद सम्मानजनक तरीके से निपटेंगे। मलाइका व अर्जुन का रिश्ता बहुत खास था और दोनों एक-दूसरे के दिलों में हमेशा खास जगह बनाए रखेंगे। उन्होंने अलग होने का फैसला किया है और इस मामले में चुप्पी बनाए रखेंगे। वे किसी को भी अपने रिश्ते का प्रचार करने का मौका नहीं देना चाहते हैं। खबरों की मानें तो मलाइका और अर्जुन के बीच किसी तरह की खटास नहीं है। वे एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं और एक-दूसरे के लिए मजबूत पिलर जैसे खड़े रहे हैं। अलग होने का फैसला करने के बावजूद वे एक-दूसरे को वैसा ही सम्मान देते रहेंगे। पिछले कुछ सालों में उन्होंने अपने रिश्ते को बहुत सम्मान दिया है। अलग होने का फैसला करने के बावजूद वे अपने मन में इस रिश्ते के लिए कोई गलत भावना नहीं लेकर आएंगे। वे दोनों सालों से एक गंभीर रिश्ते में थे और उन्हें उम्मीद है कि लोग इस भावनात्मक समय में उन्हें स्पेस देंगे। बता दें कि अर्जुन और मलाइका के रिश्ते की अफवाहें 2018 में तब शुरू हुईं, जब वे एक फैशन शो कार्यक्रम में साथ दिखे। मलाइका के 45वें जन्मदिन पर, उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते की पुष्टि की। इसे आधिकारिक बनाने के बाद, उन्होंने एक-दूसरे के परिवारों के साथ समय बिताना भी शुरू कर दिया। कॉफी विद करण में अर्जुन की उपस्थिति के दौरान भी, उन्होंने अपने प्रेम जीवन और अपने रिश्ते को अगले स्तर पर ले जाने की अपनी योजनाओं के बारे में बात की थी।

देरी से ड्यूटी हटाने से चने में तूफानी तेजी

नईदिल्ली,एजेंसी। कमजोर उत्पादन की सुर्खियां, बड़े घरानों (कंपनियों) की जोरदार मांग और देरी से इम्पोर्ट ड्यूटी हटाने से चने में तूफानी तेजी आई हुई है। राज्य की कृषि मंडियों में चने के भाव क्वालिटीनुसार 6300 से 6700 रुपए तक हो गए है। मंडियों में आपूर्ति घट गई है। दरअसल मंडियों में चना की आवक घटने से भाव आसमान पर पहुंच गए है। इस साल राज्य में चना की पैदावार मार खा गई। दिसंबर-जनवरी में ओला पाला घटनाओं से चने की फसल खेतों में असमय सूख गई। कई किसानों ने खेतों से चना की फसल पर कल्टीवेटर चला दिया।

सरकार ने चना आयात शुल्क मुक्त किया लेकिन बाजार पर इस कोई प्रभाव नहीं देखा गया। क्योंकि ऑस्ट्रेलिया से आयातित चना के भाव काफी ऊंचे हैं। बाजार सूत्रों का कहना है कि बड़े घरानों से पहले ही आस्ट्रेलिया से चना मंगवा कर पोर्ट पर स्टॉक कर लिया है। कारोबारी संजीव जैन का कहना है कि चना की आवक मंडियों में लगातार कम हो रही है। इस बार चना की पैदावार कम है। ब्रोकर लोकेश एंड कंपनी के रोहित जैन का कहना है कि उत्पादन कम होने और डिमांड सभी तरफ से बनी रहने से चना के महंगे सौदे हो रहे हैं।

ज्ञानगंगा आर्किड इंटरनेशनल स्कूल के सामने आज सुबह हादसा, मशक्कत के बाद निकाली ड्राइवर की लाश

मदर डेयरी की 407 खड़े ट्रक में घुसी ड्राइवर की मौत, क्लीनर घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित ज्ञानगंगा आर्किड इंटरनेशनल स्कूल के सामने आज शनिवार सुबह मंडीदीप की तरफ से आ रही मदर डेयरी की 407 सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि कंडक्टर को मामूली चोट आई है। ट्रक में पीछे की तरफ रफ्तार में घुसने के कारण 407 वाहन के कारण सामने की बॉडी बुरी तरह से चिपट गई। बॉडी में और स्टेयरिंग की चपेट में आने से ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कंडक्टर को मामूली चोट आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस ट्रक चालक पर मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि ज्ञानगंगा आर्किड इंटरनेशनल स्कूल के सामने ट्रक और 407 वाहन का एक्सीडेंट हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पता चला कि मंडीदीप की तरफ से मदर डेयरी की 407 आ रही थी। शनिवारसुबह करीब साड़े 6 बजे के आसपास 407, ज्ञानगंगा आर्किड इंटरनेशनल स्कूल के पास सड़क पर खड़े ट्रक में जा घुसी। इस हादसे में 407 चला रहे ड्राइवर दीपक वर्मा (22) की मौत हो गई, जबकि क्लीनर कुलदीप सिंह को गंभीर चोट आई है।

1 घंटे की मशक्कत बाद निकली लाश

सुबह हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने देखा तो 407 में ड्राइवर और क्लीनर फंसे हुएड़थे। ड्राइवर की सांसे थम गईड़थी, लेकिन क्लीनर मदद की गुहार लगा रहा था। पुलिस ने रेस्क्यू किया और स्थानीय लोगों की मदद से 407 की बॉडी को सीधा करते हुए क्लीनर और ड्राइवर को बाहर निकाला। क्लीनर को इलाज के लिए एम्स पहुंचा गया है। जबकि ड्राइवर की लाश पीएम के लिए मर्चूरी में रखवा दी गई। मृतक के परिजन के पहुंचने के बाद शव का पीएम कराया जाएगा।

सड़क हादसे में युवक की मौत

इधर, बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित ट्रांस्पोर्ट नगर, आरटीओ के पास शंकराचार्य फार्म गेट पुलिया पर अज्ञात वाहन ने सीए की तैयारी कर रहे छात्र को कुचल दिया। हादसा कल रात करीब साड़े 9 बजे के आसपास का बताया जा रहा है। लाइटवेट वाहन से एक्सीडेंट होने का अनुमान है। पुलिस के अनुसार राजीव नगर निवासी निखिल कुशवाह (19) मूलत- बरेली, जिला रायसेन का था। वह राजीव नगर में किराए से रह रहा था और चार्टेड अकाउंटेंट की तैयारी कर रहाड़था। कल शुक्रवार रात करीब साढ़े 9 बजे वह शंकराचार्य फार्म के गेट के पास मुख्य हाइवे पर उसे अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। वाहन का पहिया उसके पेट और कमर से होता हुआ गुजरने के करण उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि निखिल के कान में ईयरफोन लगा हुआ था।

ईवर नगर ई-6 अरेरा कॉलोनी का मामला

चौदह साल की नाबालिग ने बाथरूम में दुपट्टे का फंदा बनाकर लगाई फांसी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित ईवर नगर ई-6, अरेरा कॉलोनी में नाबालिग ने बीती रात फांसी लगा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एसआई रमेश सिंह ने बताया कि मधु साहू पिता योगेंद्र साहू (14) हरिसिंह नेता के घर के पास ईश्वर नगर में रहती थी। मधु साहू ने इसी वर्ष आठवीं की परीक्षा पास की थी। उसके पिता योगेंद्र साहू प्लंबर है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह एक कमरे की झुग्गी में चार बेटियों और पत्नी के साथ रहते हैं। कल रात करीब साढ़े दस बजे उनकी तीसरे नंबर की बेटी मधु ने बहनों से कहा कि अभी बाथरूम से आती है।

एम्स लेकर पहुंचे परिजन

शरीर गर्म होने के कारण परिजन मधु को फंदे से उतारकर एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने प्राथमिक जांच में ही उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की जांच कर रहे एसआई रमेश सिंह ने बताया कि मधु के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मधु ने आठवीं पास कर ली थी और वह एडमिशन को लेकर चिंतित थी। पुलिस आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है।

इसके बाद वह बाथरूम में गई और वहां फांसी लगा ली। काफी देर तक जब वह बाथरूम से नहीं निकली तो परिजन को ने उसे आवाज दी, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद परिजन ने किसी तरह बाथरूम का दरवाजा तोड़ा तो मधु की लाश दुपट्टे के सहारे फांसी के फंदे पर लटकी मिली।

फांसी के फंदे से पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऐशबाग पुलिस ने सुभाष नगर स्थित नाले के पास एक पेड़ से युवक का शव बरामद किया। युवक ने पेड़ पर फांसी लगाकर खुदकुशी की थी। मृतक के पास ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान की जा सके। शव मिलने की सूचना और हुलिए की जानकारी सभी थानों को भेजी गई है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार शाम करीब चार बजे सूचना मिली कि सुभाष नगर स्थित नाले के पास लगे पेड़ से एक युवक फांसी के फंदे पर लटका हुआ है। तलाशी लेने पर मृतक के पास पहचान संबंधी कोई दस्तावेज नहीं मिला। मृतक की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच बताई है।

बदमाश तंजील का अवैध निर्माण तोड़ा

भाजपा युवा मंडल उपाध्यक्ष की हत्या का मामला

भोपाल। गांधी नगर जेल के बाहर भाजपा युवा मंडल उपाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाह की हत्या के मामले में आरोपी तंजील के अवैध निर्माण को शनिवार को हटाया गया। दो दिन पहले प्रशासन को तंजील के हत्या में शामिल नहीं होने के सबूत उसके परिवार ने सौंपे थे। उसी दिन मृतक को श्रद्धांजलि देने निकाली थी कैंडल यात्रा निकाली थी। उक्त मामले में पुलिस ने तंजील को भी आरोपी बनाया है और टीटी नगर पुलिस और नगर निगम अमले के साथ पहुंची गांधी नगर पुलिस ने तंजील के पंचशील नगर में सेंट मेरी स्कूल के पास स्थित निवास का अवैध निर्माण तोड़ दिया।

सफर के दौरान तबीयत बिगड़ने से महिला की मौत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

उत्तर प्रदेश से गुजरात जा रही एक महिला की ट्रेन में सफर के दौरान तबीयत बिगड़ गई। बैरागढ़ स्टेशन पर उसे ट्रेन से उतारकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डाक्टर ने चेक करने के बाद मृत घोषित कर दिया। जीआरपी के अनुसार ऊषा देवी (40) उत्तर प्रदेश के मऊनाथ भंजन की रहने वाली थी। वह परिवार के साथ गुजरात के बड़ोदरा में रहती थी। उसके पति विनोद बड़ोदरा में प्रायवेट ड्रायवरी करते हैं। गर्मी की छुट्टियों में महिला अपने सात साल के बेटे के साथ गांव गई थी।

29 मई को वह गुजरात जाने के लिए गोरखपुर-बड़ोदरा एक्सप्रेस के जनरल कोच में सवार हुई थी। उसके साथ भाई और भाभी भी थी। उसने फोन पर पति को बताया था कि ट्रेन में बहुत ज्यादा गर्मी और उसकी तबीयत बिगड़ रही है। उस वक्त पति ने बोला था कि बड़ोदरा पहुंचते ही उसका चैकअप करवाएंगे। करीब पंद्रह घंटे का सफर पूरा करने के बाद बीना से विदिशा के बीच ऊषा की तबीयत ज्यादा खराब होने लगी और बेहोश हो गई। ट्रेन जब बैरागढ़ स्टेशन पहुंची तो उसे ट्रेन से उतारकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, वहां डॉक्टर ने ऊषादेवी के मृत घोषित कर दिया।

रातीबड़ स्थित पीजी हॉस्टल के कमरे में मिला लेक्चरार का शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो। रातीबड़ स्थित पीजी होस्टल के कमरे से निजी कालेज के लेक्चरार का शव बरामद हुआ। घटना की जानकारी कलकत्ता में रहने वाले उनके परिजन को दे दी गई है। उनके आने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस का अनुमान है कि हार्ट अटैक आने के कारण लेक्चरार की मौत हुई होगी, लेकिन सही कारणों का खुलासा पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही हो सकेगा। थाना प्रभारी मनोज पटवा ने बताया कि नारायण मजूमदार (58) मूलतः कलकत्ता के थे। पिछले तीन साल से वह नाथू बरखेड़ा रातीबड़ स्थित एक निजी कालेज में लेक्चरार थे और एयरोनाटिकल इंजीनियरिंग पढ़ाते थे। वह नीलबढ़ स्थित दुर्गा मंदिर के पास एक पीजी होस्टल में रहते थे। यहां कई अन्य लेक्चरार और छात्र भी अलग-अलग कमरों में रहते थे। गुरुवार की रात करीब साढ़े 8 बजे नारायण को ठीक हालत में देखा गया था। टिफिन देने वाला पहुंचा तो पता चला कि उन्होंने रात का टिफिन नहीं उठाया था। उसके बाद कमरे में देखा तो वह पलंग में मृत हालत में दिखे।

मेट्रो एंकर पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से 7 कर्मचारी सेवानिवृत्त

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विदाई, प्लांट और स्मृति चिन्ह किए भेंट

मप्र पुलिस की स्पेशल डीजी अनुराधा शंकर कल सेवानिवृत्त हो गईं ।उन्हें पुलिस फोर्स द्वारा ससम्मान पारंपरिक तरीके से विदाई दी गई।

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से माह मई में सेवानिवृत्त सात कर्मचारियों को पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी। पुलिस महानिदेशक सक्सेना ने सभी को प्लांट एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान के आदेश भी प्रदान किए गए। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित विदाई समारोह में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, अनिल कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन उपस्थित रहे। पुलिस मुख्यालय से सेवानिवृत्त कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक अ.अ.वि. शाखा सिब्रियानी तिग्मा, उप पुलिस अधीक्षक (मानसेवी) डीजीपी कार्यालय निरंजन श्रीवास्तव, सूबेदार (एम) डीजीपी कार्यालय सुनील तिवारी, सूबेदार (एम) महिला सुरक्षा शाखा अशोक कुमार दुबे, कार्यवाहक सूबेदार (एम) विशेष शाखा सावित्री जोशी, उप निरीक्षक विशेष शाखा गोविंद सिंह बिस्ट तथा उप निरीक्षक (एम) विधानसभा सेल रामभरोसे शर्मा को पुलिस मुख्यालय परिवार ने शुक्रवार को भावभीनी विदाई दी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022